हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 285 बेमेतरा, गुरुवार 11 जून 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

आप नेता संजीव अरोड़ा केस में ईडी का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी के नेता संजीव अरोड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए देश के चार राज्यों में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। एजेंसी ने दिल्ली-एनसीआर, पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।सूत्रों के अनुसार, ईडी ने पंजाब के लुधियाना और जालंधर, उत्तर प्रदेश के बरेली तथा दिल्ली-नोएडा क्षेत्र में कुल छह ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन किया। तलाशी की कार्रवाई आवासीय और व्यावसायिक परिसरों दोनों में की गई। ये ठिकाने हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़े मामले की जांच के दायरे में आने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं से संबंधित बताए जा रहे हैं। ईडी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की है। एजेंसी को पहले की जांच और पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर यह कदम उठाया गया। छापेमारी का मुख्य उद्देश्य मामले से जुड़े अहम दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों को जुटाना था।

साहिबाबाद की टायर रबर फैक्ट्री में भीषण आग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के साहिबाबाद में सुबह भीषण आग लग गई। एक फैक्ट्री में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैल गई और फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना साहिबाबाद के राजेंद्र नगर इलाके में स्थित एक टायर रबर प्रोसेसिंग फैक्ट्री की है। फैक्ट्री में सोमवार सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, करीब चार दमकल गाड़ियों को आग पर काबू पाने के लिए लगाया गया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया। इस घटना में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। दमकलकर्मियों के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे साहिबाबाद फायर स्टेशन को फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तुरंत दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

सीतामढ़ी में आंधी के दौरान कच्चे मकान पर गिरा पीपल का पेड़

पटना। बिहार के सीतामढ़ी जिले में सोमवार देर रात तेज आंधी के दौरान बड़ा पीपल का पेड़ उखड़कर एक घर पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुशी टोला (वार्ड नंबर 1) में हुई। मृतकों की पहचान पूजा देवी (28), बेटी शिवानी (5) और तीन बेटों राजकुमार (7), वीरभद्र कुमार (2) और एक महीने के लायगर कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार कच्चे मकान में सो रहा था।

इतिहास के पन्नों में दर्ज हुआ नाम

4399 दिन तक पीएम रहने वाले पहले नेता बने पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का रिकॉर्ड बना लिया। इस मौके पर पीएम मोदी भारत मंडपम से अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि आपने इस अवसर पर मुझे सम्मानित किया, इतना मान दिया, इसके लिए मैं आप सभी का बहुत-बहुत आभारी हूं। पीएम मोदी ने कहा कि इतने लंबे समय तक 'भारत माता' की सेवा करना और उनकी सेवा करने का सौभाग्य मिलना, केवल ईश्वर की विशेष कृपा से ही संभव है। और मेरे लिए, जनता ही ईश्वर का रूप है, इसलिए मैंने हमेशा इस सेवा को एक आध्यात्मिक साधना के रूप में देखा है। यह आध्यात्मिक साधना कभी भी अकेले नहीं रही; यह एक सामूहिक 'यज्ञ' है, जिसमें आप सभी और कई अन्य सहयोगियों ने कर्तव्य की भावना के साथ अपना योगदान दिया है। पीएम मोदी ने कहा, भारत की जनता का नीर-क्षीर विवेक हमेशा अद्भूत रहा है। देश की जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक स्थिरता का महत्व समझा है। ये जनता जर्नादन की परिपवक्ता ही है कि मुझे लंबे समय तक इस पद पर रखा है। अब देश की जनता एक स्थिर सरकार का काम भी देख रही है। जनता जर्नादन का आभार व्यक्त करता हूं। साल 2014 में जब एनडीए की जीत हुई थी तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवी में एक नई आशा का उदय हुआ है। इस आशा का संरक्षण हम सभी का बड़ा दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रस के विश्वासघात के बाद अपना भरोसा हमे सौंपा था। उन्होंने कहा, आज देश का हर

नागरिक विकसित भारत के सपने से भरा हुआ है। ये देश के जन-जन का सपना और संकल्प बन चुका है। एनडीए के 12 वर्षों की एक बड़ी सफ्लता ये भी है कि देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद है। कांग्रेस ने देश को लाचारगी, बेचारगी और हीन भावना के गर्त में गिरा दिया था। देश को यही एहसास कराया जाता था कि भारत में विकास धीरे-धीरे ही होता है, भारत में तेज विकास संभव ही नहीं है और बड़ी ही चतुराई से धीमी विकास को एक नाम दिया था- हिंदू ग्रोथ रेट। जबकि असल में इस कुसंस्कृति का नाम होना चाहिए था- कांग्रेस ग्रोथ रेट। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पहली बार जब अटल जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार आई, तब जाकर हमें एक झलक दिखी कि विकास में गति कैसे आती है, लेकिन दुर्भाग्य से 2004 में देश फिर से अस्थिरता के बवंडर में और कांग्रेस के शिकंजे में फंस गया। विकास तो दूर की बात है, देश को कांग्रेस ने एक के बाद एक हजारों करोड़ों रुपये के घोटालों में घसीट दिया। देश का भाग्य फिर तब बदला जब 2014 में एनडीए की सरकार बनी। देश ने देखा कि जब नीयत, नीति और निर्णय तीनों एक साथ काम करते हैं, तो विकास की गति कैसी होती है। एनडीए नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया के बड़े-बड़े देशों की अर्थव्यवस्था संघर्ष कर रही है, तब भी 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की ग्रोथ रेट हासिल की है।

कांग्रेस ने देश को लाचारगी, बेचारगी और हीन भावना के गर्त में गिरा दिया था: पीएम

एनडीए नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, एनडीए के 12 वर्षों की एक बड़ी सफ्लता ये भी है कि देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ है। कांग्रेस ने देश को लाचारगी, बेचारगी और हीन भावना के गर्त में गिरा दिया था। देश को यही एहसास कराया जाता था कि भारत में विकास धीरे-धीरे ही होता है, भारत में तेज विकास संभव ही नहीं है और बड़ी ही चतुराई से धीमी विकास को एक नाम दिया था, 'हिंदू ग्रोथ रेट' यानी कार्यशैली कांग्रेस की, दायित्व कांग्रेस का, विफ्लता कांग्रेस की लेकिन कलंक देश की बड़ी हिंदू आबादी के नाम लगाया गया जबकि असल में इस कुसंस्कृति का नाम होना चाहिए था कांग्रेस ग्रोथ रेट। इस कांग्रेस ग्रोथ रेट में न सुशासन था, न नीति, न नीयत और ना निर्णय।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द

ईसी से निराश कांग्रेस अब जाएगी सुप्रीम कोर्ट-मीनाक्षी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के मामले में चुनाव आयोग ने कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद कांग्रेस ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय लिया है। मामले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक लेने जा रहे हैं। बैठक में मध्य प्रदेश के प्रभारी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इसके अलावा मध्य प्रदेश कांग्रेस के विधायक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। इससे

पहले बुधवार को कांग्रेस के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में निर्वाचन आयोग से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल में केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सचिन पायलट, भूपेश बघेल और विवेक तन्खा समेत अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम विनिमय के उद्घाटन के दौरान।

मोदी कैबिनेट ने कई प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

अहमदाबाद और अमरावती के लिए बड़े ऐलान:अश्विनी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 10 जून 2026 को अपने 12 साल का ऐतिहासिक कार्यकाल पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बुधवार को आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में देश के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिखाई है। कैबिनेट ने कुल 4,703 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जो मुख्य रूप से गुजरात और आंध्र प्रदेश के विकास पर केंद्रित हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर संदेश साझा करते हुए कहा कि 'जनसेवा

ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है'। कैबिनेट ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज 2ए के तहत 6 किलोमीटर लंबे नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है, जिसमें पांच नए स्टेशन बनाए जाएंगे। इस विस्तार परियोजना पर करीब 2169 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

मोदी के रिकॉर्ड कार्यकाल पर महासंग्राम!

एक तरफ तारीफों के पुल, दूसरी तरफ 'बर्बादी' का आरोप-राहुल

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे लंबे समय तक चुने गए प्रधानमंत्री के रूप में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 4,399 दिनों तक लगातार सेवा देते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया हैं। इसी के साथ एनडीए सरकार के भी 12 साल पूरे हो चुके है। इस अवसर पर पक्ष उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहा है। तो दूसरी तरफ विपक्ष मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान पीएम मोदी के कामों को बर्बादी करार दे रहा है। इस पर कांग्रेस ने एक पोस्टर

जारी किया है। इस पोस्टर में कांग्रेस ने पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था के बुरे हाल पर कटाक्ष किया है। इस पोस्टर में मोदी के 12 साल के कुप्रबंधन का लेखा-जोखा बताया। कांग्रेस ने अपने पोस्टर के माध्यम से कहा कि पीएम मोदी ने 12 सालों में यह प्रचार किया कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस ने कहा कि पिछले 12 सालों में ग्लोबल रैंकिंग में भारत की अर्थव्यवस्था नीचे गिरी है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है और मार्च 2025 तक घरेलू कर्ज के जीडीपी का 41.3त्न तक पहुंचने का अनुमान है। कांग्रेस ने इस स्थिति पर तंज कसते हुए कहा कि बड़े-बड़े दावे तो किए गए, लेकिन असल में अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने है।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक, पटना जिला कोर्ट से मिली राहत

पटना। पटना से बड़ी खबर सामने आई है। चर्चित शिक्षक खान सर को राहत देते हुए पटना सिविल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। खान सर के खिलाफ 2 जून को उनके कोचिंग संस्थान के बाहर कथित गोलीबारी की घटना को लेकर मामला दर्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार, खान सर ने सोमवार को पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत (एंटिसिपेटरी बेल) की याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। यह मामला एक वायरल वीडियो के आधार पर दर्ज किया गया था।

टीएमसी का कांग्रेस में विलय

सोनिया गांधी का ममता को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का ऑफर..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार और आंतरिक बगावत से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस का कांग्रेस में विलय हो सकता है। दोनों पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व के बीच इस संबंध में बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, सोनिया गांधी की ओर से मिले विलय के प्रस्ताव पर ममता बनर्जी राजी हो गई हैं, लेकिन उन्होंने अपने भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी के जरिए राहुल गांधी के सामने कुछ कड़ी शर्तें रखी हैं। अभिषेक बनर्जी और राहुल गांधी के बीच 10 जनपथ

पर करीब डेढ़ घंटे तक चली अहम बैठक में इन शर्तों पर विस्तार से चर्चा हुई। टीएमसी नेतृत्व की मांग है कि विलय के बाद ममता बनर्जी को राज्यसभा भेजा जाए और उन्हें संसद के उच्च सदन में नेता विपक्ष का पद दिया जाए। हालांकि, इन शर्तों पर कांग्रेस आलाकमान के रुख का अभी पूरी तरह खुलासा नहीं हुआ है। इससे पहले कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खुद ममता बनर्जी को फोन कर विलय का औपचारिक ऑफर दिया था। इसके तहत ममता बनर्जी को कांग्रेस का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और अभिषेक बनर्जी को पार्टी महासचिव का पद देने की पेशकश की गई है। सोनिया गांधी ने टीएमसी पर बीजेपी के बढ़ते राजनीतिक हमलों और आंतरिक कलह का हवाला देते हुए ममता बनर्जी को आगाह किया था कि स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने पर उन्हें आम आदमी पार्टी जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

ममता को अबतक का सबसे बड़ा झटका

बागी सांसदों की लिस्ट में सबसे खास सयानी घोष का नाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद राज्य की सत्ता से बाहर हुई ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ताश के पत्ते की तरह बिखरती जा रही है। टीएमसी चीफ ममता बनर्जी को हर दिन नये झटके लग रहे हैं। अब जो खबर निकलकर सामने आई है, उसे ममता बनर्जी को लगा को अबतक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। ममता बनर्जी की बेहद करीबी और टीएमसी की फायरब्रांड चेहरा सयानी घोष भी बागी हो गई हैं। टीएमसी के 20 बागी सांसदों में सयानी घोष का नाम भी शामिल हैं। सयानी घोष वर्तमान में जादवपुर संसदीय क्षेत्र से टीएमसी सांसद हैं। दरअसल टीएमसी के 20 बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर संसद में अलग व्यवस्था देने की मांग की है। स्पीकर ओम बिरला को लिखे पत्र में सयानी घोष ने भी हस्ताक्षर है। यह ममता बनर्जी के लिए अबतक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। बता दें कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बाद सयानी घोष टीएमसी का बड़ा चेहरा मानी जाती हैं। उन्हें ममता बनर्जी का उत्तराधिकारी तक कहा जाता रहा है। सयानी घोष पश्चिम बंगाल की एक प्रसिद्ध बंगाली अभिनेत्री, गायिका और तृणमूल कांग्रेस की सांसद है। बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उनके गाए गाने 'मेरे दिल में है काबा और आंखों में मदीनाट काफी चर्चा और विवाद में रहा था। बीजेपी नेताओं ने गाने को लेकर ममता बनर्जी को निशाने पर लिया था और मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप लगाए थे। तृणमूल

कांग्रेस में बगावत का दौर रितब्रता बनर्जी और संदीपन साहा के निष्कासन के बाद शुरू हुआ था। पार्टी विरोध गतिविधियों के चलते ममता ने इन दोनों नेताओं को पार्टी से बाहर कर दिया था। इसके बाद ऋब्रत बनर्जी बागी होकर अपने साथ 58 विधायक ले गए और विपक्ष के नेता बन गए। हालांकि, ये सभी विधायक टीएमसी में ही हैं। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों ने बगावत कर दी। द टीएमसी के 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अलग गुट बना लिया है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद एक अलग गुट बनाकर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए सरकार को समर्थन करने का फैसला किया है। वहीं बागी सांसदों ने काकोली घोष को अपना चीफ व्हिप चुना है। हालांकि अभी तक जो नाम सामने आए हैं, उसमें टीएमसी के 14 सांसद है। काकोली घोष के साथ में शताब्दी रॉय, बापी हलदर, अरूप चक्रवर्ती, जून मालिया, दीपक अधिकारी (देव), कालीपदा सरेन, जगदीश बसुनिया, असित मल, अबू ताहिर खान, खलीकुर रहमान, शर्मिला सरकार, प्रसून बनर्जी और पार्थ भौमिक हैं। अब इस लिस्ट में सयानी घोष का भी नाम शामिल हो गया है। लोकसभा के साथ ही टीएमसी के राज्यसभा सांसदों की बगावत चल रही है। अबतक दो राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं। सबस पहले 8 जून को टीएमसी के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने इस्तीफा दिया था।

टीएमसी को लगा बड़ा झटका! सांसद सुष्मिता देब ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

टीएमसी को एक और बड़ा झटका लगा है। टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। एक हफ्ते के अंदर-अंदर दूसरे सांसद का इस्तीफा सामने आया है। बताया जा रहा है कि राज्यसभा से इस्तीफा देते ही उनकी असम के मुख्यमंत्री और

भारतीय जनता पार्टी के नेता हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की बात सामने आई है। इस मुलाकात ने कई अटकलों को जन्म दे दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा उन्हें असम से राज्यसभा सीट का ऑफर दे सकती है। अब सभी की नजरें सुष्मिता देव और हिमंत बिस्वा सरमा की मुलाकात पर टिकी हुई हैं।

सड़क-बिजली के लिए 82 किलोमीटर का सफर, कोत्तापल्ली के ग्रामीण पहुंचे कलेक्ट्रेट , कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, बोले- आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहा गांव

बीजापुर/मूक पत्रिका

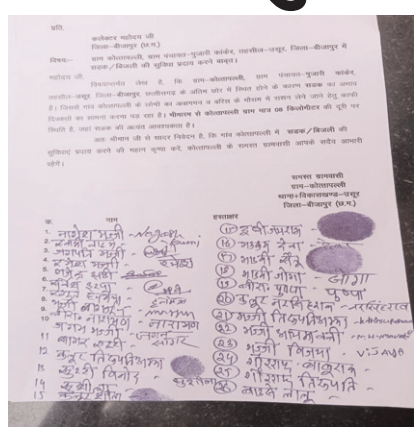

आशीष पदमवार। उसूर ब्लॉक के अंतिम छोर पर बसे कोत्तापल्ली गांव के ग्रामीण मंगलवार को अपनी समस्याएं लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे। सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर विश्वदीप को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी उनका गांव विकास की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। ग्रामीणों के मुताबिक कोत्तापल्ली गांव बीजापुर मुख्यालय से करीब 82 किलोमीटर दूर स्थित है। गांव से बड़ी संख्या में महिला और पुरुष ग्रामीण 9 जून को निकले और लंबी दूरी तय कर शाम तक बीजापुर पहुंचे। रात में रिश्तेदारों और परिचितों के यहां रुकने के बाद अगले दिन कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आज तक सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पाई हैं। सड़क नहीं होने के कारण राशन और अन्य जरूरी सामान लेने के लिए लोगों को आवापल्ली या फिर तेलंगाना जाना पड़ता है। बरसात के मौसम में हालात और भी कठिन हो जाते हैं। कई बार गांव का संपर्क आसपास के क्षेत्रों से कट जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और बिजली के अभाव में शासन की कई योजनाओं का लाभ भी गांव तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसी वजह से उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण और विद्युतीकरण कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों के कलेक्ट्रेट पहुंचने की जानकारी मिलने पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा भी उनसे मिलने पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को प्राथमिकता के साथ शासन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि गांव में बिजली पहुंचाने की स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा। गांव के पूर्व शिक्षक धमोदर मज्जी ने कहा कि जिले के कई दूरस्थ इलाकों तक विकास कार्य पहुंच चुके हैं, लेकिन कोत्तापल्ली अब भी सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का इंतजार कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रशासन कर्रेगुट्टा जैसे दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच सकता है तो कोत्तापल्ली तक विकास क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। महिला ग्रामीण सवंती मज्जी ने बताया कि सड़क नहीं होने का सबसे ज्यादा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ता है। बरसात के दिनों में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में भारी परेशानी होती है। कई बार एंबुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच पाती। कलेक्टर से मुलाकात के बाद ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इस बार उनकी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा और वर्षों से लंबित सड़क व बिजली की मांग पूरी होगी।

कोत्तापल्ली के ग्रामीणों की प्रमुख मांग

गांव तक पहुंचने के लिए सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि सालभर आवागमन सुचारू बना रहे।

गांव में जल्द बिजली सुविधा शुरू की जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाते हुए नियमित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

शासन की योजनाओं का लाभ गांव के सभी पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए।

बरसात के दिनों में आवागमन की परेशानी दूर करने के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए।

क्या बोले ग्रामीण?

÷आजादी के इतने साल बाद भी हमारा गांव सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। विकास की बात होती है, लेकिन हमारा गांव अब भी इंतजार कर रहा है।÷ – धमोदर मज्जी, पूर्व शिक्षक

उम्मीद जगी

जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने ग्रामीणों को बताया कि गांव में बिजली पहुंचाने की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके बाद ग्रामीणों को उम्मीद है कि उनकी वर्षों पुरानी मांग जल्द पूरी हो सकेगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में शामिल

धमोदर मज्जी, नागेश मज्जी, स्वामी वासम, जगपति मज्जी, रमेश मज्जी, गजेन्द्र झाड़ी, सर्वेश इरपा, रगुत हनमैया, मज्जी नागार्जून, बीरा नारायण, जगन मज्जी, सागर एट्टी, कलूर तिरुपति अम्मा, सुट्टी विनोद, सुशीला, कलूर सीता, दूधी जयराम, मडकम देवा, माडवी बैतूल, माडवी जोगा, बीरा पुष्पा, कलूर नरसिंह राव, मज्जी तिरुपति अम्मा, मज्जी विजया, गौरराफतिरुपति, बाडसे लालू सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

फर्जी पुलिस बनकर सिक्यूरिटी गार्ड लुटता रहा महिला की आबरू, बनाया कामुक वीडियो और सोशल मीडिया में अपलोड कर किया ब्लैकमेल, अब गया जेल

रायगढ़/मूक पत्रिका

खुद को पुलिस विभाग का जांबाज जवान बताते हुए सिक्यूरिटी गार्ड द्वारा एक महिला की आबरू से खिलवाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। फर्जी पुलिस इतना शातिर निकला कि महिला के संग गुजरे अंतरंग पलों की कामुक फोटो और वीडियो को इंस्टाग्राम में अपलोड करते हुए उसे ब्लैकमेल भी करता रहा। लव, सेक्स और धोखा की शिकार महिला की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्मी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक महिला ने शहर के चक्रधर नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि मार्च 2026 को अपने बच्चे और सास के साथ कोरबा एक धार्मिक कार्यक्रम मे शामिल होने गई थी। वहां से वापसी के दौरान कोरबा रेल्वे स्टेशन में अक्षय कुमार कुम्हरानी से मुलाकात हुई। इसी दौरान अक्षय इसका मोबाइल नंबर लिया, तबसे वह मोबाइल फोन से बातचीत करने लगा। अक्षय ने महिला को बताया कि वह पुलिस में है, उसने वर्दी वाली तस्वीरें भी शेयर की और तुम्हे पंसद करता हूं, तुमसे शादी करना चाहता हूं कहता था। अक्षय को पता चला कि वह गांव में अकेली रहती है तो उसके घर गया और शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाया। इस दौरान महिला के बिना जानकारी मोबाइल पर अश्लील फोटो-वीडियो भी बनाया। महिला अपनी मां का रायपुर मेकाहरा इलाज कराने गई थी, वहां भी आरोपी आकर घूमाने ले गया और बताया कि मोबाइल पर उसके अश्लील फोटो व वीडियो है। इसके साथ संबंध नहीं बनाने पर कभी भी फोटो-वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी भी दी। आरोपी ने गत 27 मई 2026 को अपने संग महिला का अश्लील फोटो/वीडियों को इंस्ट्राग्राम / फेसबुक सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। व्हाट्सएप और इस्ट्राग्राम में मैसेज भेजते हुए जान से मारने की धमकी दी, साथ ही अश्लील टिप्पणी कर ब्लैकमेल कर धमकी दे रहा है। पीड़िता की फरियाद पर पुलिस ने धारा 69, 296, 351 (3) बीएनएस 66 श्च, 67, 67Z ढ्ढञ्ज,ष्ह्ल के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। ऐसे में एसएसपी शशिमोहन सिंह के मार्गदर्शन पर तत्काल चक्रधरनगर और साइबर टीम ने रायगढ़ में आरोपी अक्षय कुम्हारी पिता संतराम कुम्हरानी (31 वर्ष) निवासी वार्ड 2 सड़क पारा डोडकी थाना मस्तूरी बिलासपुर को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा है। इस कार्रवाई में निरीक्षक राकेश मिश्रा, प्रधान आरक्षक बालचंद राव, जेनिपा पन्ना, आरक्षक विक्रम सिंह साइबर के आरक्षक पुष्पेन्द्र जाटवर, मनोज पटनायक की अहम भूमिका रही है ।

जेल में विचाराधीन कैदी की मौत पर परिजनों ने उठाए सवाल, विधायक से लगाई न्याय की गुहार

लिंगापुर के रमेश कुंजाम की मौत की न्यायिक जांच की मांग, परिवार ने मुआवजे की भी मांग उठाई

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। केंद्रीय जेल जगदलपुर में बंद विचाराधीन कैदी रमेश कुंजाम की मौत के बाद परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। बुधवार को मृतक के परिजन बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी से मिले और उन्हें ज्ञापन सौंपकर न्याय दिलाने की मांग की। परिजनों ने बताया कि उसूर विकासखंड के लिंगापुर निवासी रमेश कुंजाम पिछले करीब आठ माह से नक्सल प्रकरण में विचाराधीन कैदी के रूप में केंद्रीय जेल जगदलपुर में बंद थे। 4 जून को जेल प्रशासन की ओर से फोन कर जानकारी दी गई कि बाथरूम में फिसलकर गिरने से उनके सिर में चोट आई है और उन्हें इलाज के लिए महारानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।परिजनों के अनुसार अगले दिन 5 जून को जब वे जगदलपुर के लिए रवाना हुए, तब रास्ते में ही उन्हें रमेश की मौत की सूचना मिली। अस्पताल पहुंचकर शव देखने पर परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताया। उनका कहना है कि सिर पर चोट के निशान थे, लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों में कोई गंभीर चोट दिखाई नहीं दी। मृतक अपने पीछे पत्नी और चार छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिजनों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और अब उनके सामने जीविकोपार्जन की समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने मामले की न्यायिक जांच कराने के साथ परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

इस घटना को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि नक्सल मामले में विचाराधीन कैदी की जेल में इस तरह संदिग्ध मौत कई सवाल खड़े करती है। इसलिए इस घटना की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

रायगढ़ के विकास को मिलेगी नई रफ्तारः एमआईसी ने दी 70 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी, पेयजल पर सबसे बड़ा फोकस

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर की सूरत बदलने और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को महापौर जीवर्धन चौहान की अध्यक्षता में हुई मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की अहम बैठक में करीब 70 करोड़ रुपये के विकास कार्यों पर मुहर लगा दी गई। इन फैसलों में सबसे ज्यादा जोर शहर की पेयजल व्यवस्था, सड़क, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर दिया गया है।

पानी की समस्या का होगा स्थायी समाधान

गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत से जूझने वाले इलाकों के लिए इस बैठक से बड़ी राहत निकलकर आई है। एमआईसी ने अकेले पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए 62.68 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट मंजूर किया है। इस राशि से शहर में पाइपलाइन का विस्तार, इंटरलिंकिंग, नए बोर और पंप की स्थापना के साथ-साथ नई पानी टंकियों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) की क्षमता बढ़ाने और नए जल कनेक्शन देने का रास्ता भी साफहो गया है।

मरीन ड्राइव, टाउन हॉल और सौंदर्यीकरण पर फोकस

शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने के लिए कई अहम प्रस्ताव पास किए गए हैंः?पाइपलाइन शिफ्टिंगः प्रगति नगर और मरीन ड्राइव इलाके में सड़क निर्माण के कारण प्रभावित हो रही पेयजल पाइपलाइन को शिफ्ट करने, स्टील ब्रिज बनाने और पाइपलाइन विस्तार के लिए 2.79 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गार्डन और इंटेकवेलः वार्ड 19 स्थित टाउन हॉल गार्डन को नया रूप देने के लिए 89.70 लाख रुपये और 17 एमएलडी इंटेकवेल के विकास के लिए 1.42 करोड़ रुपये के प्राक्कलन को हरी झंडी दी गई है। हाईटेक साइन बोर्डः अंबेडकर चौक से सहस्त्रबाहु चौक तक लगे ओवरहेड साइन बोर्ड्स को अब आधुनिक लुक दिया जाएगा। इसके लिए स्ट्रीट लाइट पोल के रंग-रोगन से बची हुई राशि का इस्तेमाल होगा।

वार्डों में छोटे काम अब नहीं रुकेंगे

महापौर और पार्षद निधि से होने वाले छोटे लेकिन जरूरी जनहित के कामों में अक्सर टेंडर प्रक्रिया के कारण देरी होती थी। इसे दूर करने के लिए एमआईसी ने 50 लाख रुपये तक की वार्षिक निविदा (एनुअल टेंडर) बुलाने का अहम फैसला लिया है। इससे वार्डों में तुरंत होने वाले काम तेजी से पूरे हो सकेंगे। ?इसके साथ ही शहर के 48 वार्डों में घर-घर कचरा उठाने की व्यवस्था (एसएलआरएम मॉडल) की बेहतर निगरानी के लिए दो नए पिकअप वाहन खरीदने को भी मंजूरी दी गई है। वहीं, कुछ नाली निर्माण कार्यों की जगह में स्थानीय जरूरत के हिसाब से बदलाव किया गया है।

भविष्य के रायगढ़ की तैयारी

बैठक के बाद महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि निगम का मुख्य लक्ष्य रायगढ़ को एक व्यवस्थित, आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त शहर बनाना है। इन बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए हमारी कोशिश है कि शहर के हर वार्ड तक मूलभूत सुविधाएं बिना किसी परेशानी के पहुंचें। ?वहीं, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने स्पष्ट किया कि एमआईसी में पास किए गए ये प्रस्ताव सिर्फआज की नहीं, बल्कि शहर की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। निगम प्रशासन पूरी सख्ती बरतेगा कि ये सभी स्वीकृत कार्य तय समय सीमा और पूरी गुणवत्ता के साथ जमीन पर उतरें।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने आबकारी विभाग एवं शराब दुकानों में हो रही गंभीर अनियमितताओं की शिकायत हेतु सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर/मूक पत्रिका

आज जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने जगदलपुर आबकारी विभाग एवं शराब दुकानों में हो रही गंभीर अनियमितताओं की शिकायत को लेकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है..जगदलपुर स्थित शासकीय शराब दुकानों एवं आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली से आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जाहिद हुसैन ने जगदलपुर की शराब दुकानों में रूक्रक्कसे अधिक दाम पर दारू बेची जा रही है। साथ ही दुकान के अंदर कर्मचारी बोतलों में पानी/अन्य चीज मिलाकर मिलावट कर रहे हैं।ग्राहकों को दी जाने वाली बोतलों से लीकेज हो रहा है एवं अधिकतर बोतलों के ढक्कन ढीले पाए जाते हैं, जिससे गुणवत्ता पर संदेह है।कंगोली स्थित शासकीय शराब भट्टी से लगातार बड़ी मात्रा में गाँव वालों को ब्लैक में दारू बेची जा रही है। इससे अवैध शराब का कारोबार बढ़ रहा है। एक्सपायरी हो चुकी बियर को मार्केट में जबरन खपाया जा रहा है, जो जन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। महामंत्री जाहिद हुसैन ने आगे कहा दुकान संचालकों एवं कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों से अभद्र व्यवहार एवं गाली-गलौज की जाती है।आबकारी कार्यालय में बैठकर ऑन-ड्यूटी कार्यरत आबकारी विभाग के कर्मचारी शराब का सेवन करते हैं, जो शासकीय नियमों का खुला उल्लंघन है।

अतः कांग्रेस पार्टी उपरोक्त सभी बिंदुओं की तत्काल जांच साथ ही दोषी कर्मचारियों एवं दुकान संचालकों पर कड़ी कार्र की वाईमांग करती है साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने हेतु सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इस दौरान महामंत्री अनुराग महतो, पार्षद शुभम यदू, लोकेश चौधरी, शहजाद हुसैन आदि मौजूद रहे।

9 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव 11 जून को, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू व रविंद्र चौबे होंगे शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला किसान कांग्रेस बेमेतरा द्वारा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 11 जून 2026 को कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित बैठक में जिले के किसानों की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चर्चा करते हुए आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। किसान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार में किसान खाद, बीज, बिजली, डीजल तथा धान खरीदी से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। किसानों की इन्हीं समस्याओं के समाधान और 9 सूत्रीय मांगों के समर्थन में 11 जून को जिला मुख्यालय में विशाल प्रदर्शन एवं कलेक्ट्रेट घेराव किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 11 बजे भारत रत्न पैलेस के समीप सभा का आयोजन होगा, जिसमें किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया जाएगा। इसके बाद रैली के रूप में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर घेराव एवं प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा तथा पूर्व विधायक गुरुदयाल सिंह बंजारे विशेष रूप से शामिल होंगे।

जिला किसान कांग्रेस ने जिले के सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों, किसान कांग्रेस पदाधिकारियों, सेवा दल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ, जिला पंचायत एवं जनपद सदस्यों, सरपंचों, पार्षदों तथा कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में किसानों के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए यह आंदोलन निर्णायक साबित होगा तथा मांगें पूरी नहीं होने पर आगे भी संघर्ष जारी रखा जाएगा।

शैक्षणिक नवाचारों और शिक्षा सुधार के उत्कृष्ट कार्यों को मिली राष्ट्रीय पहचान

दर्पण कार्यक्रम में बस्तर के डीईओ बी.आर. बघेल सम्मानित

जगदलपुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बस्तर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) बी.आर. बघेल को शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों के लिए महाराष्ट्र के पुणे स्थित यशदा (ङ्घस्नष्ठ) संस्थान में आयोजित प्रतिष्ठित 'दर्पण' कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जिले में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, परीक्षा परिणामों में वृद्धि और नवाचारी शैक्षणिक गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया। 'दर्पण' कार्यक्रम का आयोजन ओपनलिंक्स फाउंडेशन के सहयोग से किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न जिलों में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सफल प्रयासों, नवाचारों और उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों को साझा करना तथा उनसे पारस्परिक सीख को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में उन जिलों और अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता है, जिन्होंने शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रभावी पहल की हो। बस्तर जिले द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की सतत निगरानी, अतिरिक्त कक्षाओं के संचालन तथा विभिन्न नवाचारों के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयासों को मंच पर सराहा गया। कार्यक्रम में देशभर के शिक्षा अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों की कार्ययोजनाओं और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ के बस्तर सहित गरियाबंद, राजनांदगांव और जशपुर जिलों के शिक्षा विभागों द्वारा किए गए कार्यों को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली।सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव बी.के. बेहार सहित कई शिक्षाविद एवं विशेषज्ञ मौजूद रहे। इस अवसर पर बघेल को सम्मानित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की गई। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में इसी तरह उत्कृष्ट कार्य जारी रखने की शुभकामनाएं दीं।

क्या है 'दर्पण' कार्यक्रम?

महाराष्ट्र के पुणे स्थित यशदा संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम।

ओपनलिंक्स फाउंडेशन के सहयोग से किया जाता है आयोजन।

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, गुड प्रैक्टिसेज और सफल मॉडल साझा करने का मंच।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षा अधिकारियों और जिलों को किया जाता है सम्मानित।

बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधार, डिजिटल मॉनिटरिंग, अतिरिक्त कक्षाओं और नवाचारी पहल को मिलती है पहचान।

मेधावी एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी दिया जाता है सम्मान।

बस्तर को क्यों मिला सम्मान?

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास।

बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए विशेष रणनीति।

नवाचारी शैक्षणिक गतिविधियों का सफल संचालन।

विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की प्रभावी निगरानी।

सुशासन तिहार के अंतिम दिवस भण्डारपुरी धाम में लगा जन समस्या निवारण शिविर, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सुनी आमजन की समस्याएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा, सुशासन और विकास के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने शिविर से दी शुभकामनाएं।

भण्डारपुरी/बलौदाबाजार-भाटापारा/आरंग/रायपुर/मूक पत्रिका

। प्रदेश सरकार द्वारा 01 मई से 10 जून तक आयोजित सुशासन तिहार के अंतिम दिवस भण्डारपुरी धाम स्थित शासकीय विद्यालय परिसर में विशाल जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं, मांगें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सामग्री, प्रमाण-पत्र, कृषि उपकरण, किट एवं अन्य लाभों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने सभी जनमानस को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा के, विकास के, जनकल्याण के ऐतिहासिक 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने एवं भारत के सबसे अधिक समय तक निरंतर निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का गौरव प्राप्त होने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री जी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जिला पंचायत सभापति गुरु सौरभ साहेब, सहित जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के जिला/ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भण्डारपुरी धाम सतनामी समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है तथा यह परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की पावन कर्मस्थली के रूप में देशभर में विख्यात है। ऐसे पवित्र स्थल पर सुशासन तिहार के अंतिम दिवस आयोजित यह शिविर जनसेवा एवं जनकल्याण की भावना को और अधिक सशक्त करने वाला साबित हुआ।

कांग्रेस में गुटबाजी खत्म होने के दावे, फ्लैक्सी ने फिर झुठलाए

टीएस सिंहदेव के दौरे में जिला कांग्रेस अध्यक्ष की तस्वीर गायब, फ्लैक्सी बना चर्चा का विषय

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कांग्रेस में गुटबाजी समाप्त होने के दावों के बीच जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। जिले के दौरे पर आए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के स्वागत में लगाए गए एक फ्लैक्सी ने स्थानीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। चर्चा की वजह यह है कि उस फ्लैक्सी में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल की तस्वीर नहीं दिखाई दी।राजनीतिक जानकारों का कहना है कि स्वागत फ्लैक्सी में स्थानीय विधायकों, पदाधिकारियों और कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं की तस्वीरों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है, ऐसे में जिले के शीर्ष संगठनात्मक पद पर बैठे जिलाध्यक्ष की तस्वीर का न होना स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। इसे महज तकनीकी चूक माना जाए या फिर इसके पीछे कोई राजनीतिक संकेत छिपा है, इसे लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।दरअसल, जांजगीर-चांपा कांग्रेस की राजनीति में हसदेव नदी के इस पार और उस पार की गुटबाजी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। जब पहली बार हसदेव नदी के उस पार के नेता राजेश अग्रवाल को जिला कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तब भी संगठन के भीतर असंतोष की खबरें सामने आई थीं। उस समय राजनीतिक विश्लेषकों ने यह आशंका जताई थी कि जिले के कुछ प्रभावशाली नेता और कार्यकर्ता उन्हें पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाएंगे।

अब टीएस सिंहदेव के दौरे के दौरान सामने आया यह फ्लैक्सी विवाद उन पुरानी अटकलों को फिर से हवा देता नजर आ रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह केवल डिजाइनिंग की भूल है या फिर कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान का एक और सार्वजनिक संकेत?फिलहाल कांग्रेस के किसी जिम्मेदार पदाधिकारी ने इस मामले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इतना तय है कि एक फ्लैक्सी ने जिले की कांग्रेस राजनीति में कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

तमनार जनसुनवाई या SECL के नाम पर अडानी का 'स्क्रिप्टेड शो'! : कोरबा से आए बाउंसर, प्लांटेड भीड़ और 6 घंटे के शो मे 4 घंटे तक 'तोतों' का कब्जा!

अक्षय कुमार का फिल्म के लिए रायगढ़ में जोरदार स्वागत

लोगों पर अंदर और बाहर निगरानी रखने अडानी के हायर बाउंसर

बैरिकेट्स के बाहर महिला आदिवासियों पर निगरानी रखती महिला बाउंसर

रायगढ़ /मूक पत्रिका

कागजों पर यह 'पर्यावरण जनसुनवाई' भारत सरकार की महारत्न कंपनी स्श्वष्टरु के पेलमा खदान प्रोजेक्ट के लिए थी। लेकिन तमनार के पंडाल में स्श्वष्टरु सिर्फ एक 'मुखौटा' बनकर बैठी थी, और असली 'रिमोट कंट्रोल' अडानी के मैनेजमेंट के हाथ में था। जनसुनवाई के नाम पर प्रशासन और कॉर्पोरेट ने मिलकर एक ऐसा 'स्क्रिप्टेड शो' चलाया, जिसमें असली किसानों की आवाज को बाउंसरों और 'प्लांटेड' भाषणों के शोर में दफन कर दिया गया।

कोरबा के बाउंसर और 'इवेंट मैनेजर' बनी पुलिस!-?स्थानीय लोगों और विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि जनसुनवाई से पहले ही शांति व्यवस्था बनाए रखने की आड़ में तमनार पुलिस ने सरपंचों और ग्रामीणों को हिदायत दे दी थी कि ÷कोई भी किसी प्रकार की मीटिंग नहीं करेगा और बाहरी लोगों को प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

अब यहा खेला देखिए! पुलिस ने किसानों के समर्थकों को तो 'बाहरी' बताकर रोक दिया, लेकिन अडानी मैनेजमेंट ने भीड़ को डराने के लिए जो 'पुरुष और महिला बाउंसर' कोरबा से मंगवाए थे, उनके लिए सारे दरवाजे खुले थे! वहां खौफ का आलम ऐसा था कि अगर कोई वहां की तस्वीर भी खींचे तो उसके पीछे घूरने के लिए एक बाउंसर आपको जरूर खड़ा मिलता। (नीचे तस्वीर में आप इसे देख सकते हैं—एक लड़की वीडियो बना रही है और ठीक उसके पीछे मुस्तैद खड़ी है महिला बाउंसर!) सोचिए कितना डर और कितनी तगड़ी मुस्तैदी थी वहां पर..??अब सोचिए कितना निष्पक्ष रूप से हुई जनसुनवाई..? यह पुरानी कहावत है ना 'बिल्ली से दूध की रखवाली करवाना!' लगभग यही सिनारियों था वहां.. कानून-व्यवस्था संभालने वाली पुलिस तो वहां सिर्फ एक 'इवेंट मैनेजर' की भूमिका में नजर आ रही थी, जबकि असली पहरेदारी कोरबा के ये बाउंसर कर रहे थे।

'प्लांटेड' भीड़ और 4 घंटे की 'स्क्रिप्टेड' बकवास-नाम ना बताने की शर्त पर एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि 6 घंटे की जनसुनवाई में से 3-4 घंटे सिर्फ 6-8 लोगों ने खा लिए! ये लोग एक-एक, दो-दो घंटे तक माइक पर भाषण देते रहे। असल में ये अडानी मैनेजमेंट के ही 'तोते' थे। रणनीति साफ थी.. समय बर्बाद करो, ताकि जो असली प्रभावित ग्रामीण हैं, उन्हें ÷हाँ या ना÷ बोलने का मौका ही न मिले। और तो और, पंडाल में 'समर्थन' दिखाने के लिए जो भीड़ बैठी थी, स्थानीय लोगों के मुताबिक उसमें से कई चेहरे दूसरे प्लांट से लाए गए कर्मचारी और ठेका मजदूर थे। यानी 'भीड़' भी किराए की और 'भाषण' भी प्रायोजित!

अक्षय कुमार के लिए 'रेड कार्पेट', और किसानों के लिए 'बैरिकेड'!-इस पूरी जनसुनवाई का सबसे बड़ा पाखंड तो सिस्टम का वह 'दोहरा मापदंड÷ है, जो 2022 में दिखा था। याद कीजिए, अक्टूबर 2022 में जब बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार 'रानीगंज खदान हादसे' (फिल्मः मिशन रानीगंज) की शूटिंग के लिए चार्टर्ड प्लेन से रायगढ़ आए थे, तब प्रशासन ने इन 'बाहरी' एक्टर के लिए खदानों के दरवाजे खोल दिए थे। एक 'बाहरी' एक्टर खदान में फंसे मजदूरों को बचाने की 'रील लाइफ' (ऋद्धद्दद्य स्ब्द्धद्ग) कहानी शूट कर रहा था, तो सिस्टम ने रेड कार्पेट बिछा दिया। लेकिन आज जब तमनार के ग्रामीण खदान से उजड़ने वाली अपनी 'रियल लाइफ' त्रासदी को बचाने की गुहार लगा रहे हैं, तो उन्हें 'बाहरी' बताकर बाउंसरों के धक्के खाने के लिए छोड़ दिया गया। हालांकि, रोबोट 2.0 में पक्षी और पर्यावरण की बड़ी-बड़ी बात करने वाले उस फिल्म एक्टर को भी दोबारा कभी तमनार की खदानों और यहां के उजड़ते पर्यावरण की याद नहीं आई! खैर छोड़िएज याद तो पर्यावरण दिवस को प्रदूषण दिवस मनाने वाली रायगढ़ कांग्रेस को भी नहीं आई देखा जाए तो कल की जनसुनवाई का सार सिर्फ दो लाइनों का है.. 'तमनार की यह जनसुनवाई सिर्फ एक 'रस्म अदायगी' थी। जिस प्रोजेक्ट में स्श्वष्टरु से ज्यादा अडानी का 'इंटरेस्ट' और उनके बाउंसरों की 'दहशत' दिखे, वहां पर्यावरण और आदिवासियों के अधिकारों की बात करना बेमानी है।'

सितंबर के बाद नहीं मिलेगा पीएम आवास के लिए फंड

रायगढ़ /मूक पत्रिका

सरकार ने पीएम आवास योजना शहरी के लिए ऐसा आदेश दिया है जिससे नगरीय निकायों की परेशानी बढ़ गई है। लंबी मोहलत मिलने के बाद भी आवास अधूरे ही हैं। सितंबर के बाद राज्य सरकार भी राशि नहीं देगी। उसके बाद निकायों को स्वयं ही राशि की व्यवस्था करनी होगी। वर्तमान में केंद्र सरकार ने पीएमएवाए-अर्बन 2.0 लॉन्च कर दिया है। अब तक योजना का पहला चरण ही चल रहा था। दूसरा चरण शुरू हो चुका है लेकिन पहले चरण में स्वीकृत आवास पूरे नहीं हो सके हैं। इसलिए अब नगरीय निकायों को राज्य सरकार की ओर से सख्त निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार की ओर से भी नगरीय निकायों को सितंबर के बाद राज्यांश की राशि नहीं दी जाएगी। निर्धारित अवधि में आवासों का निर्माण पूरा नहीं होने पर निकायों को स्वयं के मद से शेष कार्यों को पूरा करना होगा। राज्य शासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सितंबर के बाद किसी प्रकार की समयवृद्धि भी नहीं होगी। कार्य पूर्ण नहीं होने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी की जा सकती है। इस योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में 2.29 लाख की सहायता केंद्र और राज्य मिलकर करते हैं। इसमें से 60 प्रश केंद्र और 40 प्रश राशि राज्य वहन करता है। रायगढ़ जिले में भी करीब 1322 आवास अधूरे बताए जा रहे हैं।

करोड़ों की सड़क या घटिया निर्माण का नमूना? छाल रोड पंडरीपानी मार्ग पर गंभीर सवाल, MMGSY सड़क निर्माण में भारी गड़बड़ी के आरोप

ग्रामीणों ने सड़क की मोटाई, निर्माण सामग्री और गुणवत्ता मानकों में अनियमितता का लगाया आरोप; नई सीसी सड़क में दरारें दिखने से निष्पक्ष जांच की मांग तेज

रायगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना (स्र्ख्रस्ङ्घ) राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधारभूत विकास और बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसी योजना के अंतर्गत घरघोड़ा क्षेत्र में संचालित सड़क निर्माण कार्य एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। मामला छाल रोड से तिलाईपालीङ्कपंडरीपानी स्कूल तक निर्मित की जा रही सड़क का है, जहां ग्रामीणों ने निर्माण गुणवत्ता को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि कई स्थानों पर यह कहकर कि नीचे पुरानी सड़क मौजूद है, सीमेंट कंक्रीट सड़क की मोटाई निर्धारित मानक के बजाय मात्र 4 इंच तक सीमित कर दी गई है।

गुणवत्ता और सामग्री पर उठे सवाल-स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण कार्य में उपयोग किए जा रहे मटेरियल की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं है। उनका आरोप है कि बेस लेयर में गिट्टी, फाइन एग्रीगेट (मरम) तथा फ्लोर गिट्टी का निर्धारित अनुपात नहीं रखा जा रहा है। साथ ही छोटी गिट्टी का उपयोग भी बेहद कम या लगभग नगण्य बताया जा रहा है, जिससे सड़क की मजबूती और टिकाऊपन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

तकनीकी मानकों को लेकर बढ़ी चिंता-जानकारों के अनुसार मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क की कुल संरचनात्मक मोटाई (बेस लेयर से लेकर सतही परत तक) मिट्टी की प्रकृति, यातायात के भार तथा स्वीकृत डिजाइन पर निर्भर करती है। सामान्यतः यह मोटाई लगभग 30 से 45 सेंटीमीटर (12 से 18 इंच) तक रखी जाती है। ऐसे में यदि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों से कम मोटाई या गुणवत्ता का उपयोग किया गया है, तो इसकी तकनीकी जांच आवश्यक हो जाती है।

नई सड़क में दरारें, निरीक्षण व्यवस्था पर प्रश्न-ग्रामीणों का दावा है कि निर्माणाधीन अथवा हाल ही में बनी सीसी सड़क के कुछ हिस्सों में अभी से दरारें (क्रैक) दिखाई देने लगी हैं। उनका कहना है कि यह स्थिति निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। साथ ही निरीक्षण एवं गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं

अधिकारी और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर संदेह-ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे अधिकारियों तथा संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि यदि वास्तव में सड़क की मोटाई कई स्थानों पर 4 इंच ही रखी जा रही है, तो भुगतान किस मानक के आधार पर किया जाएगा, इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

विशेषज्ञों की राय-तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार सड़क निर्माण में निर्धारित मोटाई, गुणवत्तापूर्ण सामग्री, उचित संपीड़न (कम्पेक्शन) तथा स्वीकृत तकनीकी मानकों का पालन अनिवार्य होता है। इनमें किसी भी प्रकार की कमी सड़क की आयु को प्रभावित कर सकती है तथा भविष्य में सड़क के शीघ्र क्षतिग्रस्त होने का कारण बन सकती है।

जांच की मांग तेज-छाल रोड से तिलाईपालीङ्कपंडरीपानी स्कूल तक बन रही* स्र्ख्रस्ङ्घ सड़क को लेकर सामने आए आरोपों के बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि गुणवत्ता से समझौता किया गया तो इससे न केवल सरकारी धन के सदुपयोग पर प्रश्न उठेंगे, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आम जनता की सुविधाएं भी प्रभावित

सुशासन शिविर का आयोजन का जिले में अंतिम दिवस के रूप में... ग्राम पंचायत गोड़म में सुशासन शिविर में 696 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य में 'सुशासन तिहार 2026' का आयोजन 1 मई से 10 जून 2026 तक राज्य के सभी जिलों में एक जन समस्या निवारण अभियान के रूप में किया जा रहा था। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 15-20 पंचायतों के क्लस्टर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड समूहों में विशेष समाधान शिविर लगाकर लोगों को अपने होने वाले समस्याओं के समाधान के लिए वहां आकर एक फॉर्म भरकर जमा करना होता था। जिसका उद्देश्य लोगों की अपनी समस्याओं का निवारण करना है जो की छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसी भी विभाग के अंतर्गत आने वाला समस्या ही क्यों ना हो उन सब का समाधान शिविर के माध्यम से मांगों अथवा आवेदन पत्र के रूप में सुशासन तिहार के नाम से आए जाने वाले आवेदन पत्र के साथ भरकर जमा करने के लिए कहा जाता था। इस माध्यम से जनता को अपने क्षेत्र में ही रहकर एक शिविर के रूप में अधिक से अधिक संख्या में मदद पहुंचाने से था। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में भी यह कार्यक्रम मई महीने के शुरुआत से लेकर 10 जून तक हुआ। सारंगढ़ ब्लॉक के कुछ कुछ ग्राम पंचायतों के समूहों में यह आयोजन किया गया तथा समूह में जहां अंतिम दिवस के साथ ग्राम पंचायत 10 जून को गोड़म में सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ऑन द स्पॉट में जिले के हर विभाग के अपने स्टाल शिविर में लगे हुए होते थे और लोगों के द्वारा सुशासन तिहार में जन समस्या निवारण को प्राथमिकता के रूप में लोक कल्याणकारी शिविर के तौर पर प्रस्तुत किया गया और जहां शिविर के द्वारा प्राप्त फॉर्म को भरकर लोग अपनी समस्याओं अथवा मांगों को फॉर्म में दिए बिंदुवार क्रम के साथ भरकर अपनी मांग, सुझाव और शिकायत को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए किए हैं। सुशासन तिहार के रूप में यह जन समस्या निवारण केंद्र अस्थाई रूप से एक दिवसीय हो सकते हैं जैसा कि आयोजन हुआ था। सुशासन तिहार शिविर सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम गोडम के हाईस्कूल परिसर में 10 जून बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर तक आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम गुड़ेली, जेवरा, गोड़म, पिण्डरी, ग्वालीनडीह, खुर्सी, धौराभांठा, बंजारी, टिमरलगा, हिच्छा, हिर्री, डड़ईडीह, भोथली, भीखमपुरा, छर्रा, खैरा छोटे, कुर्राहा, कौवाताल शामिल रहे।

जहां कुल 696 की संख्या में

जनसमस्या निवारण शिविर में उमड़ा जनविश्वास, शासन की योजनाओं का मिला सीधा लाभ

सुशासन तिहार 2026 का गरिमामय समापन, विधायक दीपेश साहू ने सुनीं जनसमस्याएं और हितग्राहियों को किया लाभान्वित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित सुशासन तिहार 2026 का समापन आज विकासखंड बेरला के ग्राम पंचायत रेवे में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं एवं मांगों से प्रशासन को अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक दीपेश साहू ने नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित कर प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किए। सुशासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा शासन का लाभ : विधायक दीपेश साहूशिविर को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए आम नागरिकों के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासन एवं प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। इससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है तथा समयबद्ध तरीके से उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित हो रहा है।

हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ-शिविर के दौरान पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, श्रम एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। विधायक साहू ने नागरिकों से शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया तथा कहा कि जनभागीदारी से ही विकास की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की रही सक्रिय सहभागिता-शिविर में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, उपलब्ध सेवाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी। साथ ही प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही भी की गई।

38 शिविरों के सफल आयोजन के साथ हुआ सुशासन तिहार का समापन-उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं शासन की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया।

जिले के नगरीय निकाय क्षेत्रों में 15 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 23, कुल 41 जनसमस्या निवारण शिविरों का सफल आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत रेवे में आयोजित अंतिम शिविर के साथ जिले में सुशासन तिहार का सफल एवं प्रभावी समापन हुआ। इस अवसर पर रजककार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती दीप्ति वर्मा, पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, जिला पंचायत सभापति प्रीतम चंदेल, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा, बलराम पटेल, सरपंच रघुवीर (पिंटू) सिन्हा, उपसरपंच केदार सिन्हा, दिलीप निषाद, अमृत महेश्वरी, डोमेन्द्र राजपूत, मनहरण साहू, मोहन साहू, थानेश्वर साहू, जगदीश कुर्रे, एन. प्रकाश साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जनकल्याण, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें नागरिकों ने शासन की जनहितैषी पहल के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

संपादकीय

मणिपुर- शांति के दावों के बीच कायम संकट

मणिपुर बीते तीन साल से भी अधिक समय से जातीय हिंसा का दंश झेल रहा है, जिसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।मणिपुर में सरकार के तमाम दावों के बावजूद हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। सामुदायिक संघर्ष, उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता और सुरक्षाबलों की उदासीनता से राज्य में कानून-व्यवस्था फिर से पटरी से उतरती प्रतीत हो रही है। ऐसे में शांति कायम करने की दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति, गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव भी साफ नजर आता है।यही वजह है कि राज्य में उग्रवादियों के लक्षित हमले, आमजन को बंधक बनाने, निर्दोष लोगों की हत्या करने, आगजनी और इन वारदातों के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। शुक्रवार को भी कांगपोकपी जिले में एक गांव पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और गोलीबारी में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सवाल है कि आखिर हिंसा की यह चिंगारी अंदर ही अंदर क्यों सुलगती जा रही है? दरअसल, यह सिर्फ कानून-व्यवस्था की ही समस्या नहीं है, बल्कि आम लोगों में पनप रहा अविश्वास और असुरक्षा की भावना भी इसकी बड़ी वजह है।गौरतलब है कि मणिपुर बीते तीन साल से भी अधिक समय से जातीय हिंसा का दंश झेल रहा है, जिसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच राज्य और केंद्र सरकारों की ओर से हालात पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए गए, लेकिन अपेक्षित नतीजे सामने नहीं आए।हालांकि, पिछले कुछ समय में राज्य में हिंसक घटनाओं में कमी देखी गई, लेकिन इन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। राज्य सरकार का दावा है कि हिंसक वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर लोग सड़कों पर प्रदर्शन करते नजर आते हैं।यह बात सच है कि केवल सामाजिक मतभेद इतने लंबे समय तक हिंसा को जीवित नहीं रख सकते। असली समस्या तब पैदा होती है जब लोगों का सरकार और प्रशासन पर भरोसा टूटने लगता है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि राज्य में उग्रवादी समूहों पर कड़ी नजर रखी जाए, हिंसक घटनाओं में तत्काल कार्रवाई की जाए और आपसी मतभेदों को दूर करने के लिए सरकार स्थायी समाधान तलाशने का प्रयास करे।

सत्ता के लालच में हाशिये के बाहर पहुंच चुके आदर्श आज अपनी बेबसी पर जार-जार रो रहे हैं। मृगमारीचिका के पीछे छुपे वर्चस्व वाले अहंकारी लक्ष्य को प्राप्त करने की होड में अब देशों, प्रदेशों, सम्प्रदायों, जातियों, नस्लों, क्षेत्रों आदि के मध्य जंग छिड चुकी है। चारों ओर अस्थिरता, असुरक्षा और अशान्ति का वातावरण निर्मित हो चुका है। इस दौर को लेकर भविष्यवक्तओं ने बहुत पहले ही सचेत कर दिया था। उन्नीसवीं सदी में ही अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य ने इक्कीसवीं सदी को उज्जवल भविष्य के रूप में रेखांकित करते हुए आने वाले झंझावातों की पहले से ही चेतावनी दे दी थी। पराविज्ञान की चरमसीमा पर पहुंच चुके देवऋषियों के अनुसंधानों को जीवन में उतारने की पर बल दिया था। हम बदलेंगे, युग बदलेगा का नारा दिया था।

समूचे संसार को निगलता अहंकार का दावानल

हम बदलेंगे, युग बदलेगा का नारा दिया था। जय गुरुदेव, सतयुग आयेगा का जयघोष करने वाले संत ने भी उपचाररहित बीमारियों के फैलने, अन्न के लिए तरसने, शाकाहार लेने जैसी अनेक घोषणायें की थीं। बीमारियों वाली घोषणा ने कोरोना काल में अपनी उपस्थित दर्ज करवा दी थी।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश - दुनिया के सामने अस्थिरता का परिदृश्य नित नये रंग दिखा रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश के सामने अमेरिका जैसी महाशक्ति का घुटने टेकने की स्थिति का निर्मित होना, पाकिस्तान द्वारा परमाणु हथियारों की धमकी देना, डीप स्टेट के षडयंत्र से अनेक देशों में सत्ता परिवर्तन होना, बढती आबादी के मध्य आर्थिक मंदी का दौर लाना, पर्यावरण की कीमत पर भौतिक सुविधायें जुटाना, निजी स्वार्थों के लिए राष्ट्रहितों को तिलांजलि देना, नियम-कानून-कायदों पर शक्तिशालियों का पूरी तरह कब्जा होना, आतंक के सहारे साम्राज्य स्थापित करना, मानव पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का हावी होना, अकर्मण्यता का बोलबाला होना, तुष्टीकरण की तलवार से प्रतिभाओं को मौथला करना जैसे अनेक बिन्दु समूचे संसार में दावानल की तरह विकराल होते जा रहे हैं। सत्ता के लालच में हाशिये के बाहर पहुंच चुके आदर्श आज अपनी बेबसी पर जार-जार रो रहे हैं। मृगमारीचिका के पीछे छुपे वर्चस्व वाले अहंकारी लक्ष्य को प्राप्त करने की होड में अब देशों, प्रदेशों, सम्प्रदायों, जातियों, नस्लों, क्षेत्रों आदि के मध्य जंग छिड चुकी है। चारों ओर अस्थिरता, असुरक्षा और अशान्ति का वातावरण निर्मित हो चुका है। इस दौर को लेकर भविष्यवक्तओं ने बहुत पहले ही सचेत कर दिया था। उन्नीसवीं सदी में ही अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य ने इक्कीसवीं सदी को उज्जवल भविष्य के रूप में रेखांकित करते हुए आने वाले झंझावातों की पहले से ही चेतावनी दे दी थी। पराविज्ञान की चरमसीमा पर पहुंच चुके देवऋषियों के अनुसंधानों को जीवन में उतारने की पर बल दिया था।

हम बदलेंगे, युग बदलेगा का नारा दिया था। जय गुरुदेव, सतयुग आयेगा का जयघोष करने वाले संत ने भी उपचाररहित बीमारियों के फैलने, अन्न के लिए तरसने, शाकाहार लेने जैसी अनेक घोषणायें की थीं। बीमारियों वाली घोषणा ने कोरोना काल में अपनी उपस्थित दर्ज करवा दी थी। ऐसे ही जनसंख्या के अनियंत्रित विस्तार पर खाद्यान्न की किल्लत, मांसाहार के दुष्प्रभाव आदि को भी समझा जा सकता है। लगभग छः सौ वर्ष पूर्व हमारे ही देश के उडीसा राज्य के महान संत स्वामी अच्युतानन्द दास ने भविष्य मालिका नामक ग्रन्थ में देश के वर्तमान हालातों को पूर्व में ही लिख दिया था। उडिया भाषा में लिखे गये शब्दों की सार्थकता अब शतप्रतिशत सत्य होती दिख रही है। उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों से लेकर भारतवर्ष का अपने ही अलग हुए हिस्से के साथ विकराल युद्ध की स्थितियों तक को विवेचित किया है।

तेल के खेल और धन के बल जैसी व्याख्यायें भी इसी ग्रन्थ में उल्लेखित है। प्रकृति के विनाशकारी परिवर्तन से आने वाली आपदाओं की संख्या में अप्रत्याशित बढोत्तरी होने, कृत्रिम विषाणुओं को हथियार बनाकर शत्रुओं पर प्रहार करने, वैश्विक सिद्धान्तों-आदर्शों-मान्यताओं पर स्वार्थ का कब्जा होने तथा दैत्यों के आतंक से जनमानस के पीडित होने जैसी अनेक घटनाओं का उडिया ग्रन्थ में उल्लेख मिलता है। भविष्य मालिका में लिखा है कि भारत से एक आध्यात्मिक शक्ति का उदय होगा जो पूरी दुनिया में शांति स्थापित करेगी। इसी तरह बुल्गारिया देश की निवासिनी बाबा वेंगा की 12 वर्ष में तूफानी चपेट के कारण नेत्रों की रोशनी चली जाने के बाद उन्हें भविष्य देख पाने की रहस्यमयी शक्ति का अचानक अनुभव हुआ था। यद्यपि उन्होंने स्पष्ट भविष्यवाणियां नहीं की थी परन्तु संकेतों में व्यक्त की गई भावी घटनायें अतीत में सत्य प्रमाणित होती चली गईं। वर्तमान स्थितियों को लेकर संघर्षात्मक संकेत, रक्तरंजित क्रान्ति, आतंकी गतिविधियों, वैश्विक मंदी सहित सूक्ष्म के द्वारा विशाल के सामने डटे रहने जैसी व्याख्यायें उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप प्रस्तुत की गई हैं। उन्होंने राजनैतिक अस्थिरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शक्तियों के टकराव, दो भागों में विभाजित होती दुनिया में छिडने वाले तीसरे विश्वयुद्ध का भयावह शब्द चित्र खींचा है। एलियंस की ओर संकेत करते हुए अंतरिक्ष से किसी अज्ञात वस्तु या सभ्यता का पृथ्वी के साथ सम्पर्क स्थापित करने की घटना का उल्लेख करने वाली बाबा वेंगा ने सनातनी सूर्य के प्रकाश से आलौकित होती धरा पर प्रेम की वर्षा जैसे वर्णन करके अनेक संभावनायें व्यक्त की हैं। फ्रांस के भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों को अपनी किताब लेस प्रोफेटीज में लघु कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया है जिसमें सात जहाजों के आसपास युद्ध, एक महान व्यक्ति पर बिजली गिरेगी, अचानक प्राकृतिक आपदाओं आदि का काव्यमय चित्रण किया गया है।

जलीय युद्ध, दूरदराज से युद्ध, वर्चस्व का युद्ध, स्वार्थ का युद्ध, लालच का युद्ध, अहंकार का युद्ध, आतंक का युद्ध जैसी स्थितियां ही सात जहाजों की व्याख्या करती दिखतीं हैं। एक महान व्यक्ति पर बिजली गिरेगी की विवेचना को राजनैतिक हत्या, नेतृत्व पर जुल्म, पलायन की मजबूरी, भय का माहौल, सत्ता परिवर्तन, तख्ता पलट आदि के रूप में स्वीकारा जा रहा है। उन्होंने दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के कारण आ रही प्राकृतिक आपदाओं पर भी लघु कवितायें लिखीं हैं।

अनेक ज्योतिषाचार्यों ने भी विश्व कुण्डली की ग्रह दशा के आधार पर विश्वयुद्ध की प्रबल संभावना व्यक्त की हैं। भविष्यवाणियों के सभी कारकों के साथ कदमताल करती वर्तमान स्थितियां भयावह भविष्य का भाष्य कर रहीं हैं जिसके उपचार हेतु युग निर्माण योजना के विचार क्रान्ति अभियान का हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा वाला नारा प्रत्येक नागरिक को स्वीकारना पडेगा। तभी स्वयं के परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन की स्थितियां निर्मित हो सकेंगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

हर कहानी का अंत एक कुर्सी पर, राजनीति का यही असली खेल है

(सुधीश पचौरी)

दुनिया में हर एक की नजर दूसरे की कुर्सी पर। जैसे सिपाही की नजर थानेदार की कुर्सी पर... कि बाबू की नजर अफसर की कुर्सी पर... जैसे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री की नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर..! जिस पर किसी की नजर नहीं, वह कुर्सी बेमानी है।एक महोदय उवाच- मैं उस देश में रहने पर शर्मिंदा हूं, जहां शासक दल जनतंत्र को खत्म करने पर तुला हुआ है। फिर एक भविष्यवक्ता महोदय

कहिन- एक साल बाद ये सरकार गिर जाएगीज लेकिन गिरी तो तृणमूल कांग्रेस गिरी! खबर आई कि तृणमूल कांग्रेस के ऋत्वव्रत बनर्जी के नेतृत्व में अट्ठावन विधायक एक 'नई तृणमूल कांग्रेस' बनाने जा रहे हैं। वे अध्यक्ष को पत्र दे रहे हैं और अपने को असली तृणमूल कांग्रेस बता रहे हैं। फिर तमिलनाडु के भाजपा के नेता खबर बनाने लगते हैं कि वे भाजपा से अलग पार्टी बनाने वाले हैं। फिर वे दिल्ली आकर भाजपा नेताओं से मिलते हैं। मीडिया उछालता है कि वे अलग पार्टी बनाने वाले हैं। फिर कई दिन बाद खबर आती है कि वे भाजपा से अलग हो रहे हैं। यहां भी वही कि 'एक कुर्सी की नजर दूसरे की कुर्सी पर'। फिर एक चैनल ईद के दिन वाले कुछ वीडियो दिखाने लगता है, जिनमें कुछ युवक एक अन्य युवक को बुलाते हैं कि बकरा कैसे कटता है, वह इसे आकर देखे। जब वह बकरे का कटना देखने से आनाकानी करता है, तो बाकी युवक चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर देते हैं। हत्या के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ती दिखती है। फिर एक दिन खबर आती है कि हत्या का आरोपी मुठभेड़ में मारा गया। एक चर्चा में एक प्रवक्ता अपनी चिंता प्रकट करती है कि इन युवाओं में इतनी हिंसा क्यों बढ़ रही है!

इसी बीच पटना के दो कोचिंग सेंटर के मालिकों के टकराव की कहानी विद्यार्थियों के टकराव में बदल जाती है। गोलियां चलती हैंज पत्थरबाजी होने लगती है। पुलिस कार्रवाई करती है। कुछ उपद्रवियों को गिरफ्तार करती है। इन एक कोचिंग सेंटर के संचालक पड़ोस के दूसरे कोचिंग सेंटर पर आरोप लगाते हैं कि वहां से गोली चलवाई गई है, लेकिन दो दिन बाद एक खबर आती है कि गोली दूसरे कोचिंग वाले ने नहीं चलाई, बल्कि आरोपकर्ता के सुरक्षा कर्मियों से चलवाई गई है।

कोचिंग कारोबार और परीक्षा घोटालों का कनेक्शन- सच क्या है, यह सब तो जांच से ही सामने आ सकता है, लेकिन इस एक घटना से साफ है कि पेपर लीक मामले में कोचिंग सेंटरों का हाथ होता है। हर बार की 'पेपर लीक' कोचिंग केंद्रों की ओर इशारा तो करती है, लेकिन कोई इन पर हाथ नहीं डालता, क्योंकि इनके पीछे करोड़ों का कारोबार खड़ा है, जिसके पीछे कोचिंग माफिया खड़ा रहता है। इसीलिए इनको बंद नहीं किया जाता है।

इसी बीच मालवीय नगर के एक होटल-सह-रेस्तरां में आग लग जाती है और इक्कीस लोगों की जान चली जाती है। गद्दे की दुकान वाला पड़ोसी अपने गद्दे लगा देता है, जिन पर कूदकर कुछ लोग जान बचा पाते हैं।

नीट यूजी-कब थमेगा सपनों का यह कत्ल? सरकारी व्यवस्था से हार रहे हैं बच्चे

कुछ समय पहले नीट परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक की चर्चा के बीच रद्द किया गया। अब इसकी जांच सीबीआई कर रही है। तकलीफदेह है कि प्रश्नपत्र लीक होने के अधिकतर मामले जांच-पड़ताल तक ही सिमट कर रह जाते हैं। जबकि ऐसी घटनाएं पहले से ही गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में भविष्य बनाने के लिए जद्दोजहद कर रहे बच्चों के श्रम और उनकी प्रतिबद्धता पर पानी फेर देती हैं।

(मोनिका शर्मा)

पेपर लीक के कारण फिर से परीक्षा होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को दोबारा तैयारी के लिए मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है। परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए कई परिवारों में गहने और जमीन तक बिक जाती है।

केंद्रीय परीक्षा नीट-यूजी 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद यह पीड़ादायक है कि देश के किसी न किसी हिस्से से अब भी बच्चों के जीवन से हारने की खबरें आनी जारी हैं। हमारे देश में प्रतियोगी परीक्षाएं जीवन संवारने की एक उम्मीद होती हैं। आशाओं का एक ऐसा द्वार, जिसे पार कर अच्छा भविष्य बनाने के लिए हर वर्ष लाखों बच्चे और उनके स्वजन तपस्या की तरह तैयारी में जुट जाते हैं। यही वजह है कि इन इम्तिहानों का निरस्त होना सीधे-सीधे उनके सपनों पर कुठाराघात होता है। इन घटनाओं के कारण वर्षों की श्रमशील दिनचर्या व्यवस्था की लचरता की भेंट चढ़ जाती है, जिसके चलते बच्चे भावी जीवन से जुड़ी अनिश्चितता, मानसिक अवसाद और सपनों के बिखरने की पीड़ा से जूझते हैं।

कुछ समय पहले नीट परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक की चर्चा के बीच रद्द किया गया। अब इसकी जांच सीबीआई कर रही है। तकलीफदेह है कि प्रश्नपत्र लीक होने के अधिकतर मामले जांच-पड़ताल तक ही सिमट कर रह जाते हैं। जबकि ऐसी घटनाएं पहले से ही गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में भविष्य बनाने के लिए जद्दोजहद कर रहे बच्चों के श्रम और उनकी प्रतिबद्धता पर पानी फेर देती हैं।

इस बार भी एनटीए के इस फैसले के बाद करीब बाईस लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। कई बच्चों की आत्महत्या की खबरों के बीच बहुत से बच्चों द्वारा आक्रोश जताने वाले विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों ने भी बच्चों की पढ़ाई से जुड़े संघर्ष और हालात का हवाला दिया। स्पष्ट है कि पूरे समाज को निराशा और अविश्वास की ओर धकेलने वाले ऐसे वाकये चिंतनीय हैं और हमारी अकादमिक व्यवस्था से भरोसा कम करने वाले हैं।

असल में प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को केवल अभ्यर्थियों की समस्या के तौर पर नहीं देखा जा सकता। व्यवस्थागत मोर्चे पर बड़ी खामी को उजागर करने वाली ये घटनाएं अभ्यर्थी के पूरे परिवार को आघात पहुंचाती हैं। देश के आम परिवार के लिए ये मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक मोर्चे पर पीड़ादायी होती हैं। निराश होकर बच्चों के जीवन से मुंह मोड़ लेने वाले मामलों की तो कोई क्षतिपूर्ति ही नहीं हो सकती। दुखद है कि नीट परीक्षा निरस्त होने के बाद ऐसे कई दुर्भाग्यपूर्ण मामले भी सामने आए।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले में नीट की तैयारी कर रहे बाईस वर्षीय छात्र ने परीक्षा रद्द होने और पेपर लीक विवाद से आहत होकर अपनी जान दे दी। अभ्यर्थी के पिता के मुताबिक, बहुत अच्छा पेपर होने और अच्छे अंक आने की उम्मीद को लगी ठेस के चलते उसने ऐसा कदम उठाया। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में जीवन से हार मान लेने वाले इक्कीस वर्षीय छात्र के परिवार का कहना है कि वह अपने तीसरे प्रयास में डॉक्टर बनने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त था, लेकिन परीक्षा खारिज होने के समाचार ने उसका मनोबल तोड़ दिया। दिल्ली के आजादपुर में आत्महत्या करने वाली बीस वर्षीय छात्रा के परिजनों ने बताया कि परीक्षा रद्द होने के बाद वह मानसिक अवसाद में चली गई थी।

कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के कई बच्चे भारी मुश्किलों में करते हैं तैयारी

समझना कठिन नहीं है कि यह संसाधनों का ही नहीं, अनमोल मानवीय जीवन का भी नुकसान है। कितने ही बच्चों और उनके स्वजनों के सपने अनिश्चितता के घेरे में आ जाते हैं। नीट यूजी-2026 निरस्त होने से देशभर में अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। यह स्थिति लाखों युवाओं और उनके परिवारों के संघर्षों पर आघात करने वाली है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले कई बच्चे अनगिनत मुश्किलों से जूझकर ऐसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

अधिकतर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की शुल्क राशि आम परिवारों के लिए बड़ा बोझ होती है। दूरदराज के इलाकों से आने वाले गरीब घरों में तो अभिभावकों को बच्चों के घर से दूर रहने और कोचिंग के खर्च के लिए कर्ज तक लेना पड़ जाता है। मध्यवर्गीय परिवार हर मोर्चे पर जूझकर अपने बच्चों के सपनों को साकार करने का अवसर देते हैं। कम से कम संसाधनों में तैयारी करने वाले बहुत से बच्चों के पास सही समय पर पौष्टिक भोजन लेने और पर्याप्त आराम करने की व्यवस्था भी नहीं होती। कितने ही बच्चे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य समस्याओं के दुश्चक्र में फंस जाते हैं। इसी वजह से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान भी बच्चों की आत्महत्या के मामले सामने आते रहते हैं।

इसके अलावा, पेपर लीक के कारण फिर से परीक्षा होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को दोबारा तैयारी के लिए मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है। परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए कई परिवारों में गहने और जमीन तक बिक जाती है। गांवों-कस्बों से बार-बार परीक्षा देने आने के लिए भी खर्च करना पड़ता है।

यही वजह है कि इन वाकयों के कारण मेहनत के बल पर अपने सपने पूरे करने का मार्ग चुनने वाले योग्य उम्मीदवार और उनके अपने ठगा-सा महसूस करते हैं। इस स्थिति में किसी एक परिवार में ही नहीं, पूरे समाज में निराशा फैलती है। ऐसे में परीक्षा लेने के तरीके में बदलाव और व्यवस्थागत सख्ती जरूरी है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में प्रश्नपत्र लीक को लेकर सख्त कानून होने के बावजूद परीक्षाओं की निष्पक्षता, गोपनीयता और पारदर्शिता सवालों के घेरे में है। बच्चों को हताशा ही नहीं, जान देने वाले हालात तक ले जाने वाली घटनाएं रुक नहीं पा रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने पर विधायक अनुज शर्मा ने किया मुक्तेश्वर शिव मंदिर में भव्य रुद्राभिषेक और भंडारा

धरसीवाँ क्षेत्र के कार्यकर्ता और आम नागरिक बने इस गौरवशाली इतिहास के साक्षी
देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा का मनाया गया जश्न

धरसीवां/मूक पत्रिका

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा के 12 वर्ष का गौरवशाली कार्यकाल पूर्ण होने और भारतीय राजनीति में एक नया इतिहास रचने के उपलक्ष्य में आज धरसीवाँ विधानसभा में भव्य उत्सव मनाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर धरसीवाँ के लोकप्रिय विधायक श्री अनुज शर्मा के नेतृत्व में ग्राम चरौदा स्थित प्रसिद्ध मुक्तेश्वर शिव मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से रुद्राभिषेक कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और देश की निरंतर प्रगति की कामना की।विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज का दिन हमारे देश के लोकतांत्रिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला दिन है। आज हम सब यहाँ एक ऐसे ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन रहे हैं, जिसने भारतीय राजनीति और जन-कल्याण के मायनों को पूरी तरह बदल दिया है। हमारे देश के यशस्वी, ओजस्वी और वैश्विक क्षितिज पर भारत का मान बढ़ाने वाले लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्यकाल पूर्ण किया है। ÷12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के!÷ ये सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की जीती-जागती हकीकत है। इन वर्षों में देश ने देखा है कि कैसे एक 'प्रधानसेवक' की दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और अथक परिश्रम से देश के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचती है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण यही मोदी जी की नीति है, और यही उनका संकल्प है। आप लोग के सेवक के रूप में, और उससे भी बढ़कर इस देश के एक जागरूक नागरिक के रूप में, मुझे यह कहते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने अंत्योदय की परिकल्पना को साकार किया है। चाहे वह गरीबों को पक्के मकान देना हो, हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना हो, मुफ्त राशन की व्यवस्था हो या फिर आयुष्मान भारत के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी–हर योजना ने सीधे जनता के दिलों को छुआ है। आज भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, और हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया में एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है। यह सब प्रधानमंत्री जी के प्रति देश के अटूट 'विश्वास' और उनके द्वारा किए गए 'विकास' का ही परिणाम है। मैं इस गौरवशाली अवसर पर छत्तीसगढ़ की न्यायप्रिय जनता की ओर से और अपनी ओर से, हमारे मार्गदर्शक और राष्ट्रनायक श्री नरेंद्र मोदी जी को इस ऐतिहासिक कार्यकाल की पूर्णता पर कोटि-कोटि बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपको दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें, ताकि आपके नेतृत्व में हमारा देश 'विकसित भारत' के संकल्प को सिद्ध कर सके और विश्व पटल पर 'विश्वगुरु' के रूप में पुनः स्थापित हो।

क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह:

इस गौरवशाली पल का साक्षी बनने के लिए ग्राम चरौदा सहित पूरे धरसीवाँ क्षेत्र से भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और आम नागरिक मुक्तेश्वर शिव मंदिर पहुंचे। रुद्राभिषेक के पश्चात आयोजित भव्य भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा और लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी जी के ऐतिहासिक कार्यकाल की सराहना करते हुए अपनी खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर परक्षेत्र के प्रमुख पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता और भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

रायगढ़ विधानसभा में जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार में करोड़ों का महाघोटाला

15 करोड़ के कार्यों में भारी भ्रष्टाचार का आरोप, संयुक्त मोर्चा ने कलेक्टर से की बरसात से पहले जांच की मांग

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सिंचाई विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत से तालाबों, जलाशयों और टारों (जलाशयों) के जीर्णोद्धार व मेंटेनेंस कार्यों में करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। विभिन्न सामाजिक और जन संगठनों ने इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि भ्रष्टाचार इस कदर हुआ है कि यह समझ पाना मुश्किल है कि ÷आटे में नमक मिलाया गया है या नमक में आटा मिलाया गया है।÷ संगठनों ने रायगढ़ कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी को ज्ञापन सौंपकर मानसून की बारिश शुरू होने से पहले ही इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

रायगढ़ और पुसौर ब्लॉक के कार्यों में ?15 करोड़ की अफरातफरी का आरोप-'रायगढ़ बचाओ-लड़ेंगे रायगढ़', 'जिला बचाओ संघर्ष मोर्चा' और 'जन चेतना मंच' के प्रमुख पदाधिकारियों–विनय शुक्ला, वासुदेव शर्मा, राजेश त्रिपाठी, अभिषेक चौहान और शिवम कच्छवाहा सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि शासन द्वारा क्षेत्र में जल संरक्षण और पुराने जलाशयों के उन्नयन के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि आवंटित की गई थी। इसके तहत बकायदा टेंडर जारी कर ठेकेदारों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार काम करना था, लेकिन धरातल पर ग्रामीणों की शिकायतों और स्थल निरीक्षण में केवल कागजी खानापूर्ति और घटिया निर्माण देखने को मिल रहा है। विभिन्न परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की ग्राउंड रिपोर्ट:संगठनों ने सिंचाई विभाग (कार्यपालन यंत्री) के अंतर्गत हुए निर्माण कार्यों की पोल खोलते हुए निम्नलिखित ब्योरा प्रस्तुत किया है: कोयलंगा डायवर्सन (लागत ?2 करोड़ 5 लाख): इस परियोजना के तहत बनाई गई नई नहरें पहली बारिश से पहले ही धंस चुकी हैं और जगह-जगह से फट गई हैं। स्टॉप डैम की रिपेयरिंग में सिर्फ ऊपरी चमक-दमक (थूक पॉलिश) की गई है और पुरानी नहरों की सफाई के नाम पर फर्जी भुगतान निकालने का षड्यंत्र रचा जा रहा है।

बेलरिया स्टॉप डैम और एनिकट (लागत लगभग ?5 करोड़ 21 लाख): इस कार्य में व्यापक अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने बीते 27 अप्रैल 2026 को ही कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन प्रशासनिक रसूख के चलते इसकी जांच अब तक अटकी हुई है।

बड़े हरदी तालाब (लागत ?1 करोड़ 5 लाख): यहां ठेकेदार और अधिकारियों की सांठगांठ से बेहद घटिया सीमेंट का उपयोग किया गया है। निकासी द्वार और पिचिंग के लिए लगाए गए चारखुटिया पत्थर छूते ही झरने की तरह झड़ रहे हैं। मंशाटार और सिहा जलाशय (लागत करीब ?2 करोड़): पुसौर बस्ती के अंतिम छोर पर स्थित इस टार में हुई पिचिंग और ढलाई कुछ ही दिनों में उखड़ने लगी है। विभाग के एस्टीमेट और प्लान के विपरीत ढलाई की मोटाई माप से काफी कम रखी गई है।

बाघाडोला और बासनपाली जलाशय (लागत ?2 करोड़ 10 लाख): बाघाडोला में सीमेंट के घोल की मोटी पुताई कर घटिया निर्माण को छिपाने का प्रयास किया गया है। वहीं, बासनपाली में बिना लोहे की छड़ (सरिया) लगाए और बिना जमीन की लेबलिंग किए लकड़ी के पट्टों के सहारे ऊबड़-खाबड़ ढलाई कर दी गई

बरसात के पानी में सुबूत बहने से पहले हो ठोस कार्रवाई

कलेक्टर को सौंपे गए शिकायत पत्र में अमन तलरेजा, सुरेंद्र पटेल, सुबल गुप्ता, संतोष राणा, वीरेंद्र गुप्ता, बंशीधर प्रधान, नरोत्तम चौहान, सत्यानंद चौहान, योगेंद्र निषाद, तुलाराम भोई, शशिधर पंडा, गोवर्धन मांझी और अनिल चीकू सहित बड़ी संख्या में नागरिकों के हस्ताक्षर हैं। प्रतिनिधिमंडल ने युवा कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी से पुरजोर आग्रह किया है कि यदि इन सभी निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच मानसून की पहली बारिश से पहले नहीं कराई गई, तो पानी भरने के बाद भ्रष्टाचार के सारे सुबूत स्वतः ही बह जाएंगे और ठेकेदार व विभागीय अधिकारी क्लीन चिट पा लेंगे। जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि मौके पर तत्काल तकनीकी टीम भेजकर जांच कराई जाए ताकि इस 15 करोड़ रुपये के सिंडिकेट घोटाले के दोषियों को बेनकाब कर उन पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जा सके।

ध्यानाकर्षण की एक सूत्री मांग को लेकर समाज ने उठाई आवाज

रायपुर/मूक पत्रिका

संयुक्त अनुसूचित जाति समाज छत्तीसगढ़ द्वारा ध्यानाकर्षण कार्यक्रम आयोजित कर भारत सरकार के पत्र दिनांक 10 जून 2025 के अनुपालन में छत्तीसगढ़ सरकार से उत्तराखंड की तर्ज पर वर्ष 2000 को कट-ऑफ-डेट (नियत तिथि) संशोधित किए जाने की मांग की गई। समाज के लोगों ने इसे सामाजिक न्याय एवं अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताते हुए शासन से जल्द निर्णय लेने की अपील की। कार्यक्रम में समाज के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सूरज टांडी, रघुचंद निहाल, मंगल क्षत्रिय, बंटी निहाल, सीमा क्षत्रिय, आनंद मुकारी, सिद्धार्थ पटेल एवं जन्मजय सोना शामिल रहे। उपस्थितजनों ने कहा कि समाज की मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित निर्णय लिया जाना चाहिए। समाज प्रतिनिधियों ने बताया कि यह अभियान समाज के हित एवं अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से चलाया जा रहा है तथा आने वाले समय में भी जनजागरूकता कार्यक्रम जारी रहेंगे।

शराब के लिए रंगदारी मांगने वाले 2 युवक गिरफ्तार, 24 घंटे में चांपा पुलिस की सख्त कार्रवाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

थाना चांपा क्षेत्र में शराब पीने के लिए दुकानदार से जबरन पैसे मांगने और इनकार करने पर मारपीट करने वाले दो आरोपियों को चांपा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। प्रार्थी दीपक देवांगन, निवासी शंकर नगर चांपा ने 7 जून 2026 को थाना चांपा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 6 जून की रात करीब 10:30 बजे वह दुकान बंद कर घर लौट रहा था। रास्ते में शंकर नगर निवासी शंकर दास महंत उर्फ बिल्ला और उसका साथी तुषार बरेठ उर्फ तुस्सु ने उसे रोक लिया और शराब पीने के लिए पैसे की मांग की। पैसे देने से मना करने पर दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना चांपा पुलिस ने धारा 126(2), 296, 351(3), 115(2), 119(1), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (क्ष्हस्) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। तत्पर कार्रवाई करते हुए 10 जून 2026 को दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में अपराध स्वीकार किए जाने पर उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में शंकर दास उर्फ बिल्ला महंत (27 वर्ष) एवं तुषार बरेठ उर्फ तुस्सु (19 वर्ष), दोनों निवासी शंकर नगर, चांपा शामिल हैं। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक बाबूलाल दिवाकर, आरक्षक वीरेश सिंह एवं थाना चांपा स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

सीजीआईटी रायगढ़ में डिप्लोमा प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसिलिंग 11 जून से प्रारंभ

रायगढ़/मूक पत्रिका

तकनीकी शिक्षा संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पॉलिटेक्निक संस्थानों में संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी , रायगढ़ ने विद्यार्थियों से निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।संस्थान के अनुसार डिप्लोमा इंजीनियरिंग तथा डिप्लोमा लेटरल एंट्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से किया जाएगा। प्रथम चरण की काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीयन 11 जून प्रातः 10 बजे से 15 जून रात्रि 11:59 बजे तक किया जा सकेगा। मेरिट सूची 16 जून को जारी होगी तथा दावा-आपत्ति 17 जून तक आमंत्रित की जाएगी। सीट आवंटन परिणाम 19 जून को घोषित किया जाएगा और चयनित अभ्यर्थी 20 जून से 24 जून तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकेंगे। द्वितीय चरण के लिए पंजीयन 26 जून से 30 जून तक होगा। मेरिट सूची 1 जुलाई को जारी की जाएगी तथा दावा-आपत्ति 2 जुलाई तक स्वीकार की जाएगी। सीट आवंटन परिणाम 3 जुलाई को जारी होगा और अभ्यर्थी 4 जुलाई से 9 जुलाई तक प्रवेश ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त रिक्त सीटों के लिए संस्था स्तर की काउंसिलिंग भी आयोजित की जाएगी। संस्था स्तर पर पंजीयन 11 जुलाई से 16 जुलाई तक होगा तथा मेरिट सूची 17 जुलाई को जारी की जाएगी। इसके आधार पर 18 जुलाई से 21 जुलाई तक प्रवेश की कार्यवाही संपन्न की जाएगी।

प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का गरिमामयी आयोजन, पामगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन, 150 मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पामगढ़ /मूक पत्रिका

अंचल के सर्वश्रेष्ठ एवं विगत 26 वर्षों से संचालित शिक्षण संस्थान विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय पामगढ़ एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ में बुधवार, 10 जून 2026 को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जे.के. जैन (पूर्व कुलसचिव, पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, बिलासपुर) एवं डॉ. चंद्रशेखर खरे (वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र प्रबंधक एवं शोध विद्वान, कृषि विज्ञान केंद्र, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सुधा पाण्डेय, अध्यक्ष, मईनका माई शिक्षण समिति पामगढ़ ने की।

विशिष्ट अतिथियों में नरेंद्र कुमार पाण्डेय (संचालक, विद्या निकेतन एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल), श्रीमती रश्मि पाण्डेय (कोषाध्यक्ष, मईनका माई शिक्षण समिति) तथा अनुराग पाण्डेय (सदस्य, मईनका माई शिक्षण समिति) उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रशेखर खरे ने प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, कृषि अभियांत्रिकी, पीएटी, आईसीएआर, आईटीआई, पीएससी, एसएससी, यूपीएससी, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, आरसेटी एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही क्रॉप डॉक्टर, दामिनी बिजली चेतावनी, हर्बकेल एवं राइस आईएफसी एप की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।

विद्यालय परिवार द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों को दुर्गा प्रसाद पाण्डेय मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी केशव प्रसाद पाण्डेय कन्या शिक्षा योजना के अंतर्गत पांच बालिकाओं को कक्षा 9वीं से 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने हेतु गोद लिया गया।कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ की छात्रा कुमारी प्रज्ञा साहू ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पामगढ़ नगर क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें लैपटॉप भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने उनकी सफलता में विशेष योगदान देने वाले गणित शिक्षक मेहुल पाण्डेय को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में कुल 150 विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जे.के. जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 12वीं के बाद विद्यार्थियों के सामने अपने भविष्य एवं करियर चयन की महत्वपूर्ण चुनौती होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की सलाह दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी माध्यम के प्राचार्य अशोक कुमार मिरे, इंग्लिश माध्यम के प्राचार्य दीपक कुमार प्रधान, विभाग प्रमुख अखिल शुक्ला सहित समस्त विद्यालय परिवार का विशेष योगदान रहा। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

चौपाल लगाकर विकास कार्यों की समीक्षा, सड़क, धान खरीदी और आजीविका योजनाओं पर दिए निर्देश

नदी पार कर नुगुर पहुंचे कलेक्टर–एसपी, ग्रामीणों से सीधे सुनी समस्याएं

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बिते मंगलवार को जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के सुदूर वनांचल क्षेत्र हुर्रगुवाली पंचायत के नुगुर गांव में प्रशासन की चौपाल पहुंची। कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव और जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। गांव तक पहुंचने के लिए अधिकारियों को नदी पैदल पार करनी पड़ी, जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में रही। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, आवास, धान खरीदी, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी मांगें अधिकारियों के सामने रखीं। कलेक्टर ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क बेहतर होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए केतूलनार में धान खरीदी केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने किसानों को समर्थन मूल्य पर ही धान बेचने और बिचौलियों से दूर रहने की सलाह दी। किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी तथा 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने कृषि गतिविधियों का भी जायजा लिया। सोलर ड्यूल पंप का निरीक्षण करने के साथ किसानों को समय पर उर्वरक उठाव और एग्रीस्टैक पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया गया। आधुनिक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। शिक्षा और पोषण सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए गए। वहीं ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। चौपाल में ग्रामीणों को बकरी पालन, सूअर पालन और अन्य आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आय बढ़ाने की सलाह दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के गांव पहुंचने से ग्रामीणों में आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने अपनी समस्याएं खुलकर प्रशासन के सामने रखीं।

नुगुर दौरे की प्रमुख बातें

गांव पहुंचने के लिए अधिकारियों ने नदी पैदल पार की।
चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।
पीएमजीएसवाई सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की।
केतूलनार में धान खरीदी केंद्र के प्रस्ताव पर चर्चा हुई।
किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की जानकारी दी गई।
सोलर ड्यूल पंप और कृषि गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।
स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों का अवलोकन किया गया।
पीएम आवास, शौचालय, डबरी और गाय शेड निर्माण के लिए प्रेरित किया गया।
बकरी पालन, सूअर पालन सहित आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर ने कहा

÷दूरस्थ क्षेत्रों के विकास के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।÷ – विश्वदीप, कलेक्टर बीजापुर

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न मांगो एवं समस्याओं को लेकर चैंबर प्रतिनिधियों ने की कलेक्टर महोदया से मुलाकात

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़ :- जिला इकाई सारंगढ़ बिलाईगढ़ छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने अपनी संलग्न पत्र अनुसार इंडस्ट्रियल पार्क हेतु जमीन , नजूल जमीन का रिकॉर्ड अपडेट ना होना एवं चैंबर भवन कार्यालय हेतु जमीन एवं अन्य कई बिंदुओं पर जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कलेक्टर महोदया श्रीमती पद्मिनी भोई साहू जी से मुलाकात की एवं साथ ही नगर की एवं व्यापार की विभिन्न समस्याओं से भी रूबरू कराया कलेक्टर महोदया के साथ नजूल रिकॉर्ड अपडेट के अधिकारी डिप्टी कलेक्टरद्ध श्री साहू जी भी उपस्थित रहे एवं कलेक्टर मैडम ने अपनी तरफसे पूरी पूरी आश्वासन दिया है की शीघ्र ही यह कार्य होने की उम्मीद है साथ ही कलेक्टर मैडम ने सभी मांगों एवं समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया यह उन्हें शीघ्र ही पूर्ण करने का एवं दूर करने का आश्वासन दिया चैंबर ऑफकॉमर्स के तरफसे प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल प्रदेश मंत्री दीपक केजरीवाल जिला अध्यक्ष इकाई संगीत सिंह ठाकुर एवं वरिष्ठ सदस्यों में विश्वनाथ बहिदार एवं रिंकू केसरवानी की भी उपस्थिति रही सदस्यों ने अधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया ?

प्रांजल पैकेज पीने के पानी का जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे ने किया शुभारंभ

मूक पत्रिका/ सारंगढ़। ग्राम खर्री में प्रांजल पैकेज पीने के पानी का शुभारंभ भगवान श्री सत्यनारायण की विधिवत पूजा - अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। उपस्थित श्रद्धालुओं एवं मेहमानों ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए पूजा में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिपंअध्यक्ष संजय भूषण पांडे की उपस्थित में हुई । इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल, पू. विधायक श्रीमती केराबाई मनहर, मं. अध्यक्ष दीपक साहू , चिंता राम साहू, जगन्नाथ केसरवानी, बंशी धर साहू, सतीश शर्मा, रमेश तिवारी, भरत जाटवार, पूर्व सरपंच खीकबाई साहू, पुरुषोत्तम साहू, रमा साहू, सुशीला साहू, सीताराम साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। संजय भूषण पाण्डेय कहा कि - स्वच्छ एवं सुरक्षित परियोजनाएं प्रत्येक व्यक्ति की मूल आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में वाटर फिल्टर प्लांट की स्थापना को जन हित में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए धीरज साहू को बधाई व शुभ कामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज को बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वच्छ जीवन की दिशा में आगे बढाते हैं। पाण्डेय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सफल नेतृत्व में जनसेवा, सुशासन व विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि - देश आज आत्म निर्भरता और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट में संविदा लेखापाल पद हेतु चयन सूची जारी

बिलासपुर। बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, चकरभाठा में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (घरेलू एयरपोर्ट) के अंतर्गत स्वीकृत संविदा लेखापाल पद की भर्ती प्रक्रिया के तहत आज साक्षात्कार आयोजित किया गया। साक्षात्कार के उपरांत चयन समिति द्वारा अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया गया। जारी चयन सूची के अनुसार श्री नवल किशोर सिंह का संविदा लेखापाल पद के लिए चयन किया गया है। वहीं श्रीमती पलक लांबा को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट में विभिन्न सेवाओं के सुदृढ़ संचालन के लिए संविदा पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से की जा रही है, जिससे एयरपोर्ट की प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशन में होगा शताब्दी उत्सव, 100 वर्षीय प्रैक्टिसिंग स्कूल का गौरवशाली समारोह

100 वर्ष पूरे होने पर ऐतिहासिक बनेगा प्रैक्टिसिंग प्राथमिक शाला कांकेर, शताब्दी वर्ष समारोह की तैयारियां तेज

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेरः- कांकेर10 जून 2026 जिला मुख्यालय कांकेर स्थित ऐतिहासिक प्राथमिक शाला प्रैक्टिसिंग कांकेर के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शताब्दी वर्ष समारोह एवं विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव 2026 को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं हरेश मंडावी सीईओ जिला पंचायत के निर्देशन में इस विशेष आयोजन की तैयारियों को गति देने के लिए जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) नवनीत पटेल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में आज हाईस्कूल प्रैक्टिसिंग मांझापारा कांकेर में डीएमसी नवनीत पटेल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शाला के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, शाला प्रवेश उत्सव, शैक्षणिक गतिविधियों तथा अन्य आयोजनों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शताब्दी वर्ष समारोह को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के लिए विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यालय की गौरवशाली यात्रा, उपलब्धियों और शिक्षा के क्षेत्र में उसके योगदान को प्रदर्शित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शताब्दी वर्ष के दौरान सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों की श्रृंखला भी संचालित की जाएगी। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी केजू राम सिन्हा, बीआरसी खुशाल गजभिए, संकुल प्राचार्य, संकुल समन्वयक, प्रधान पाठक एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारियों और कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। डीएमसी नवनीत पटेल ने निर्देश दिए कि शाला प्रवेश उत्सव को जन-जन का उत्सव बनाने के लिए व्यापक स्तर पर डोर-टू-डोर सर्वे, प्रचार-प्रसार अभियान तथा अभिभावक संपर्क कार्यक्रम संचालित किए जाएं। साथ ही विद्यालय परिसर के रंग-रोगन, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण, मॉडल स्कूल की अवधारणा को साकार करने तथा 'न्योता भोजन' कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि 100 वर्ष पूर्ण करना किसी भी शैक्षणिक संस्था के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। प्रैक्टिसिंग प्राथमिक शाला कांकेर ने एक शताब्दी तक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अब यह अवसर उस गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का है। शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने और अभिभावकों को विद्यालय से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आगामी कार्यक्रमों की तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक गतिविधि में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि शताब्दी वर्ष समारोह पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक आयोजन बन सके। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 2026 को विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के साथ-साथ प्राथमिक शाला प्रैक्टिसिंग कांकेर के 100 वर्ष पूर्ण होने का शताब्दी

समारोह विशेष रूप से मनाया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर शिक्षा विभाग, शिक्षक समुदाय, पूर्व छात्र, अभिभावक एवं क्षेत्रवासियों में उत्साह का वातावरण है तथा तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा, 9 वाहन जब्त.....

■ विशेष अभियान में 5 हाइवा और 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली पर कार्रवाई

बिलासपुर। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश तथा उप संचालक, खनिज प्रशासन के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर 5 हाइवा एवं 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कुल 9 वाहनों को जब्त किया है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जून से 8 जून 2026 तक जिले के सरकंडा, सीपत, करगी, कोटा, पोड़ी, कोनी एवं मंगला क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से रेत एवं चूनापत्थर का उत्खनन तथा परिवहन करते पाए गए वाहनों पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान करगी क्षेत्र में रेत परिवहन करते एक हाइवा, कोनी क्षेत्र में चूनापत्थर परिवहन करते एक हाइवा तथा सरकंडा क्षेत्र में चूनापत्थर परिवहन करते दो हाइवा वाहनों को जब्त किया गया। वहीं सीपत क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते एक हाइवा पर कार्रवाई की गई। इसी प्रकार मंगला क्षेत्र के शिवघाट बैराज से अवैध रूप से रेत उत्खनन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा पोड़ी क्षेत्र में रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गईं। सभी जब्त वाहनों को संबंधित थाना क्षेत्रों कोनी, कोटा, सरकंडा एवं सीपत की अभिरक्षा में रखा गया है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज संपदा के अवैध दोहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा जिले में लगातार निगरानी रखी जा रही है। तथा अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के मामलों में आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गर्मी से हाल बेहाल, जनरेटर भी हो गया बीमार , सीईओ बोले मैकेनिक का है इंतजार, जनता पुछे कब होगा उपचार

मूक पत्रिका/बस्तर । तेज गर्मी और उमस के बीच जनपद पंचायत बस्तर पहुंचने वाले ग्रामीणों को घंटों इंतजार के बाद मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री आवास, वृद्धा पेंशन, मनरेगा जॉबकार्ड और जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र जैसे जरूरी कामों के लिए रोज सैकड़ों लोग दूर-दराज के गांवों से यहां आते हैं। लेकिन बिजली की आंख-मिचौली ने पूरे सिस्टम को ठप कर दिया है। जैसे ही लाइट जाती है, कंप्यूटर और प्रिंटर बंद हो जाते हैं। कार्यालय में लगे सिर्फ दो इन्वर्टर से मुश्किल से एक-दो सिस्टम ही चल पाते हैं। नतीजा यह कि धूप में सफर करके आए बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे पसीने से लथपथ होकर कुर्सियों पर बैठे घंटों इंतजार करते रहते हैं। कई लोगों का कहना है कि वे एक ही प्रमाणपत्र के लिए तीन-चार बार चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन बिजली न होने के कारण काम पूरा नहीं हो पा रहा।

कार्यालय परिसर में लगा सरकारी जनरेटर पिछले कई महीनों से बंद पड़ा है। बिजली कटौती के समय पूरा ऑफिस सिर्फ दो इन्वर्टर के भरोसे चल रहा है, जो 20-25 मिनट से ज्यादा बैकअप नहीं दे पाते। इससे शासन की डिजिटल इंडिया और सुशासन के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उमस भरी गर्मी में बिना पंखे-कूलर के बैठे ग्रामीण बेहाल हो जा रहे हैं।

इस संबंध में जनपद पंचायत बस्तर के सीईओ भानुप्रताप चुरेंद्र ने बताया कि जनरेटर खराब हो गया है और मरम्मत के लिए मेकेनिक नहीं मिल पा रहे हैं। मेकेनिक मिलते ही जनरेटर को जल्द सुधरवाकर चालू कर दिया जाएगा।

कलेक्टर ने मनरेगा श्रमिकों से ली पंचायत कार्यों और योंजनाओं के लाभ की फीडबैक

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 10 जून 2026/ कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम रेड़ा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत तालाब गहरीकरण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यस्थल का निरीक्षण कर मजदूरों से चर्चा कर पंचायत कार्यों की फीडबैक और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने रोजगार सहायक को माप-जोख का कार्य सही तरीके से करने तथा स्वीकृत डिजाइन के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत किए जाने वाले कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन एवं जनपद पंचायत सारंगढ़ के सीईओ राधेश्याम नायक भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

नाम परिवर्तन

मै तेलम गुड्डू, (TELAM GUDDU), (माता / पिता/पति / पालक का नाम) सुपुत्र / विजय तेलम, (VIJAY TELAM), निवासी- पोंजेर, एतदवारा मै पूर्णत: 7 पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. ग्राम - पोंजेर, तह0 - बीजापुर, जिला बीजापुर छ0ग0, का स्थायी निवासी हूँ । 2. मैं अपने नाबालिग पुत्र / पुत्री - कुमारी महिमा तेलम, (KUMARI MAHIMA TELAM), से बदलकर उर्मिला तेलम, (URMILA TELAM) करवाना चाहता/चाहती हूँ।

3. मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूँ तो उसके लिए स्वंय जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी

4. मेरी पुत्र/पुत्री- कुमारी महिमा तेलम, (KUMARI MAHIMA TELAM), को हमारे / हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा / रही हूँ ।

माता/पिता/ पालक के हस्ताक्षर
तेलम गुड्डू

नाम परिवर्तन

मै देवे मुचाकी, (DEVE MUCHAKI), (माता/पिता/पति / पालक का नाम) सुपुत्र / जोगा, (JOGA), निवासी- दामाराम, एतदवारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूँ।

1. ग्राम- दामाराम, तह0 - उसूर, जिला बीजापुर छ0ग0, का स्थायी निवासी हूँ। 2. मैं अपने नाबालिग पुत्र/पुत्री - मुसाकी भीमा (MUSAKI BHEEMA), से बदलकर मुचाकी भीमा, (MUCHAKI BHEEMA) करवान चाहता/चाहती हूँ।

3. मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूँ तो उसके लिए स्वंय जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी।

4. मेरी पुत्र/पुत्री - मुसाकी भीमा (MUSAKI BHEEMA), को हमारे / हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा / रही हूँ ।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर
देवे मुचाकी

नाम परिवर्तन

मै मनीराम (MANI RAM) पिता श्री मगंडू पुराना नाम जिसे बदला जाना है) एतद्द्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ ।

1. मै ग्राम - जैगुर तह भैरमगढ़ का स्थायी निवासी हूँ ।

2. मेरी पुत्री की पुराना नाम बोमड़ी (BOMDI) नया नाम भाव्या वेको (BHAVYA VEKO) नाम करवाना चाहता / चाहती हूँ ।.

मेरे पुत्री की पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है और न ही किसी बैंक में ऋण राशि शेष हैं ।

मै पुत्री की नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता / करती हूँ तो उसके लिए मै पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूँगा / रहूँगी ।

'मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम प्राणिकार्र के समक्ष प्रस्तुत कर रहा / रही हूँ ।

शपथकर्ता के हस्ताक्षर
मनीराम

नाम परिवर्तन

मै कमली पोड़ियामी, (KAMLI PODIYAMI) (माता / पिता/पति / पालक का नाम) सुपुत्र/ सोनधर पोड़ियामी, (SONDHAR PODIYAMI), निवासी- बेंचराम, एतदवारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूँ।

1. ग्राम — बेंचराम, तह0 - भैरमगढ़, जिला बीजापुर छ0ग0, का स्थायी निवासी हूँ। 2. मैं अपने नाबालिग पुत्र/पुत्री - सूचसन्ना पोड़ियामी, (SUCHSANNA PODIYAMI), से बदलकर सूसन्ना पोड़ियामी, (SUSANNA PODIYAMI) करवाना चाहता/चाहती हूँ ।

3. मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूँ तो उसके लिए स्वंय जिम्मेदार रहूंगा/रहूंगी।

4. मेरी पुत्र/पुत्री - सूचसन्ना पोड़ियामी, (SUCHSANNA PODIYAMI), को हमारे/हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है ।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा / रही हूँ।

माता/पिता/ पालक के हस्ताक्षर
कमली पोड़ियामी

नाम परिवर्तन

मै छोटु पोटाम (CHHOTU POTAM) पिता श्री सोमलु पोटाम (SOMLU POTTAM) पुराना नाम सोटु पोटाम (SOTU POTAM) नाम, जिसे बदला जाना हैं) एतद्द्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ ।

1. मै ग्राम - कोरचोली तह. - गंगालूर का स्थायी निवासी हूँ ।

2. मेरा सोटु पोटाम (SOTU POTAM) नया नाम छोटु पोटाम (CHHOTU POTAM) नाम करवाना चाहता/चाहती हूँ ।

मेरा पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है और न ही किसी बैंक में ऋण राशि शेष हैं ।

मै मेरा नाम बदलकर,यदि कोई गैर कानूनी काम करता / करती हूँ तो उसके लिए मै पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/रहूँगी ।

5. मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम प्राणिकारी कामथ प्रस्तुत कर रहा रही हूँ।

शपथकर्ता के हस्ताक्षर
छोटु पोटाम

नाम परिवर्तन

मैं सोयम नागेश्वरराव (Soyam Nageswararao), (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री / पांडू, Pandu, निवासी- गुण्डम, एतदवारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. ग्राम-गुण्डम, तह0 - उसूर, जिला-बीजापुर छ0ग0 का स्थायी निवासी हूँ।

2. मेरा पुराना नाम - सोयम नागेश्वरराव (Soyam Nageswararao), है और मैं अपना नाम बदलकर नागेशराव ओयम (Nageshraw Oyam) (नया नाम) करवाना चाहता हूँ।

3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णत: स्वंय जिम्मेदार रहूँगा ।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ/रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता के हस्ताक्षर
सोयम नागेश्वरराव

उदयधरा महिला फॉर्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

ग्राम पंचायत ढोलिया, पोस्ट झाल, वि.ख. व जिला बेमेतरा
Registration No. U01611CT2026PTC019901
Email - udaydharafpcbemetara@gmail.com Mo. No.-9516780860, 8839561709

क्रमांक / 06 /FPC/2026 ढोलिया, दिनांक 09/06/2026

विकास आयुक्त कार्यालय SRLM प्रकोष्ठ विकास भवन, द्वितीय तल, सेक्टर 19 का पत्र क्रमांक/GENS/2454/2025-SECTION CGSRLM नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 24.02.2026 के द्वारा दिये गये निर्देशानुसार उदयधरा महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ढोलिया, विकासखंड व जिला बेमेतरा (छ.ग.) का गठन किया गया है। उक्त उत्पादक कंपनी में कृषक उत्पादक कंपनी एफपीसी से संबंधित कार्यों, कुशल वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग सहयोग, लेखा संधारण, नियोजन इत्यादि कार्य को सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु पदनाम **कृषक उत्पादक कंपनी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (एफपीसी-सीईओ)** 01 पद का चयन हेतु आमंत्रित किया जाता है।

आपेक्षित अहर्ता रखने वाले महिला / पुरुष, उम्मीदवार दिनांक 2.4.-06-2026 समय सायं 05.00 बजे तक कार्यालयीन समयावधि में रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते है। भर्ती विज्ञापन, नियम एवं शर्तें, आवेदन प्रारूप इत्यादि की जानकारी जिला प्रशासन बेमेतरा की वेबसाइट www.bemetara.gov.in पर अपलोड की गई है।

डायरेक्टर
उदयधरा महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ढोलिया, विकासखंड व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

नव नियुक्त सब-इंस्पेक्टरों को आईजी की सीख, अनुशासन, तकनीक और जनता से बेहतर व्यवहार पर दिया जोरसुशासन तिहार के अंतिम दिवस भण्डारपुरी धाम में लगा जन समस्या निवारण शिविर

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सुनी आमजन की समस्याएं

मूक पत्रिका/बिलासपुर// बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेंज के सभी जिलों में पदस्थ नव प्रशिक्षु उप निरीक्षकों (सब-इंस्पेक्टरों) की समीक्षा बैठक ली। रक्षित केंद्र बिलासपुर स्थित चेतना भवन में आयोजित बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि रेंज के अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षक और प्रशिक्षु उप निरीक्षक ऑनलाइन जुड़े।

बैठक के दौरान आईजी राम गोपाल गर्ग ने नव नियुक्त अधिकारियों को पुलिस सेवा की जिम्मेदारियों, अनुशासन और जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्दी पहनने के बाद किसी भी अधिकारी का आचरण केवल व्यक्तिगत नहीं रहता, बल्कि वह पूरे पुलिस विभाग की छवि का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने यातायात नियमों के पालन, सदाचार बनाए रखने और ऐसा कोई कार्य नहीं करने की हिदायत दी जिससे पुलिस की छवि धूमिल हो।

आईजी ने तकनीकी दक्षता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को ष्टष्टञ्जहृस् में स्वयं प्रविष्टियां करना सीखना होगा तथा विभागीय ऐप्स जैसे सशक्त, ई-साक्ष्य, आईओ मितान और समाधान का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करना होगा। इसके साथ ही साइबर अपराध, सोशल मीडिया और कंप्यूटर संबंधी ज्ञान को भी आवश्यक बताया गया। वहीं व्यावहारिक प्रशिक्षण के तहत प्रत्येक प्रशिक्षु को कम से कम पांच समन और पांच वारंट तामील करने तथा पुरानी एफआईआर और चार्जशीट का अध्ययन करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जनता की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुनने, पीड़ितों का भरोसा जीतने, विभागीय नियमों का पालन करने और दैनिक डायरी नियमित रूप से संधारित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक के अंत में आईजी राम गोपाल गर्ग ने सभी नव प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले 20 से 25 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली और छवि को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी इसी नए बैच के कंधों पर होगी, इसलिए सभी अधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

कलेक्टर ने गावों में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की स्थिति का लिया जायजा

कलेक्टर ने कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी और स्वास्थ्य लाभ देने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र को चित्रों से आकर्षित बनाने पर सराहना की

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 10 जून 2026/कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम जसरा के नवनिर्मित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी भवन की सुविधाओं, बच्चों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक एवं पोषण संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। आंगनबाड़ी केंद्र को बच्चों के लिए आकर्षक बनाने हेतु दीवारों पर शैक्षणिक एवं रंगीन चित्रकारी की गई है, जिसकी उन्होंने सराहना की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरस्वती महंत ने बताया कि इस केंद्र में कुल 35 बच्चे पंजीकृत हैं और नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी सहायिका से बच्चों को दिए जाने वाले पूरक पोषण आहार की जानकारी ली तथा बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर की समीक्षा की। महिला एवं बाल विकास विभाग के केंद्र के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी गई कि ग्राम में तीन बच्चे कुपोषित श्रेणी में हैं। इस पर कलेक्टर ने बच्चों की नियमित निगरानी, स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम में बाल विवाह की स्थिति की भी जानकारी ली तथा ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए सतत जागरूकता गतिविधियां संचालित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी उत्तम प्रसाद, जनपद पंचायत के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा विकास कार्यों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मलीय कीचड और कचरा निपटान व्यवस्था का अवलोकन कर, जिले को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए

कोतरी के शासकीय भूमि पर बेजा कब्ज़ा को तत्काल हटाने के निर्देश

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 10 जून 2026/कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिले की स्वच्छता व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण कर जिले को स्वच्छ बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सबसे पहले सारंगढ़ स्थित एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने शहर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए स्वच्छता कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में नियमित रूप से कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित किया जाए।

ग्राम कोतरी के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) में अधिकारियों ने कलेक्टर को बताया कि अब तक 87 ट्रिप फीकल स्लज का सुरक्षित निस्तारण किया जा चुका है। लगभग एक एकड़ क्षेत्र में स्थापित इस इकाई में सेप्टिक टैंकों से एकत्रित मल-मूत्र को डिस्लजिंग वाहन के माध्यम से लाकर वैज्ञानिक तरीके से उपचारित किया जाता है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित इस मल-कीचड़ प्रबंधन इकाई में उपचारित अपशिष्ट से जैविक खाद तैयार की जा रही है।कोतरी में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एफएसटीपी परिसर के आसपास लगभग 5 एकड़ भूमि में लेमन ग्रास प्लांटेशन विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे महिला समूहों को रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा अतिरिक्त आय का स्त्रोत भी विकसित होगा। कलेक्टर ने एफएसटीपी के समीप शासकीय भूमि पर किए गए बेजा कब्जे की जानकारी मिलने पर पटवारी को तत्काल कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही समीप स्थित तालाब में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मत्स्य पालन गतिविधियां प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए।

हरदी धान संग्रहण केंद्र का जायजा- कलेक्टर ने ग्राम हरदी स्थित धान संग्रहण केंद्र का भी निरीक्षण किया। लगभग 67 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने उपलब्ध अधोसंरचना एवं रखरखाव संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हल्क फिटनेस क्लब के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम, जिले को दिलाए 2 स्वर्ण पदक

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा। राजस्थान में आयोजित स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एंड प्रमोशन फेडरेशन ऑफ इंडिया की 10वीं राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में जांजगीर-चांपा के हल्क फिटनेस क्लब के दो होनहार खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जिले और छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, स्केटिंग, एथलेटिक्स और पावरलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं हुईं। पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में हल्क फिटनेस क्लब के खिलाड़ी अयान ताम्रकार और अनमोल गोस्वामी ने अपने-अपने वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक सफलता से जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय हल्क फिटनेस क्लब के कोच कैलाश वर्मा एवं किशन वर्मा को दिया, जिनके मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण से यह सफलता संभव हो पाई।

हल्क फिटनेस क्लब के खिलाड़ी पावरलिफ्टिंग के साथ-साथ वेटलिफ्टिंग, आर्म रेसलिंग, बॉडीबिल्डिंग, फिटनेस मॉडलिंग तथा मेंस एवं विमेंस मॉडलिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। क्लब परिवार भविष्य में भी ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि खेल और फिटनेस के क्षेत्र में जांजगीर-चांपा नई ऊंचाइयों को छू सके।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने महतारी सदन और स्वास्थ्य केंद्र गोड़म का निरीक्षण किया

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 10 जून 2026/कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम गोड़म के स्वास्थ्य केंद्र और महतारी सदन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों, महिलाओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर योजनाओं एवं सेवाओं की जमीनी हकीकत की जानकारी ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन भी उनके साथ उपस्थित रहे। कलेक्टर ने ग्राम गोड़म में महिलाओं के लिए निर्माणाधीन महतारी सदन एवं प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान लंबे समय से बंद पड़े मुर्रा मिल तथा आलू चिप्स एवं मिक्सचर निर्माण मशीनों का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने इन इकाइयों को पुनः संचालित करने की

संभावनाओं पर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने जेंडर रिसोर्स सेंटर का भी निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोड़म में ओपीडी एवं आईपीडी रजिस्टरों का अवलोकन कर मरीजों की संख्या एवं उपचार संबंधी जानकारी ली। उन्होंने इमरजेंसी, चिकित्सक, आयुष, प्रसव और औषधि भंडार कक्ष तथा प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। औषधि भंडार में उपलब्ध दवाओं की एक्सपायरी तिथि की जांच की तथा फार्मासिस्ट से एंटी स्नेक वेनम एवं रेबीज रोधी दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हेतु आए मरीजों एवं उनके परिजनों से भी चर्चा की। उन्होंने ब्लड टेस्ट कराने आए बच्चों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। प्रयोगशाला का निरीक्षण करते समय कलेक्टर ने मशीनों की चालू हालत में है या नहीं, का परीक्षण किया। कलेक्टर ने स्वयं शुगर टेस्ट कराकर उपकरणों की कार्यशीलता की जानकारी ली।

स्वास्थ्य केंद्र में स्कूली छात्राओं को एचपीवी टीकाकरण उपरांत प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कलेक्टर ने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने एवं नियमित टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया। वहीं ब्लड ग्रुप जांच के लिए पहुंचे स्कूली बच्चों से भी संवाद कर उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने संबंधित अधिकारियों को सभी सेवाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने, दवाओं एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने खाद भंडारण और वितरण का अवलोकन किया- कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने ग्राम भेड़वन स्थित प्राथमिक सेवा सहकारी समिति पहुँच कर यूरिया डीएपी नैनो खाद के बारे में जानकारी ली। खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण कर कलेक्टर ने किसानों से चर्चा की और जानकारी ली कि उन्हें समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो रही है या नहीं। किसानों ने खाद उपलब्धता को संतोषजनक बताया। समिति प्रबंधक बिजेंद्र ने कलेक्टर को जानकारी दी कि किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। इसके बाद कलेक्टर ने परिसर से लगे खाद भंडारण गोदाम का भी निरीक्षण कर उपलब्ध स्टॉक की जानकारी ली।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिले की स्वास्थ्य सेवाएं

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 10 जून 2026/ वर्तमान जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य चुनौतियों को गंभीरता से लेते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की समयपूर्व पहचान, प्रथम तिमाही में 100 प्रतिशत पंजीयन, चार गुणवत्तापूर्ण एएनसी जांच तथा समयबद्ध रेफरल व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रत्येक गर्भवती महिला की नियमित मॉनिटरिंग, ईडीडी ट्रैकिंग एवं प्रसव पूर्व आवश्यक जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में मातृ मृत्यु के प्रमुख कारणों जैसे उच्च रक्तचाप, एनीमिया, प्रसवोत्तर रक्तस्राव एवं संक्रमण की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में रक्तचाप जांच, हीमोग्लोबिन परीक्षण, आयरन-फोलिक एसिड वितरण तथा उच्च जोखिम मामलों के त्वरित प्रबंधन पर विशेष बल दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मातृ मृत्यु की विस्तृत समीक्षा कर कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है तथा प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस नेटवर्क की सुदृढ़ता तथा रेफरल प्रबंधन को भी मजबूत किया जा रहा है।

जिला स्वास्थ्य प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि योजनाबद्ध प्रयासों, नियमित निगरानी एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाते हुए सुरक्षित मातृत्व के लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सतत कमी लाना है।

आंचलिक किसान संघ का सरिया में धरना प्रदर्शन, मांगों पर आश्वासन के बाद समाप्त हुआ आंदोलन

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर आंचलिक किसान संघ द्वारा सरिया के अटल चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल पर पहुंचे और डीजल, खाद तथा कृषि संबंधी अन्य समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें रखीं।

आंचलिक किसान संघ के अध्यक्ष मोहन पटेल ने कहा कि खेती-किसानी के महत्वपूर्ण समय में किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीजल और रासायनिक खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। किसानों ने डिब्बे में डीजल देने, खाद की उपलब्धता बढ़ाने तथा वितरण की लिमिट में वृद्धि की मांग की। प्रदर्शन के दौरान किसानों और अधिकारियों के बीच मांगों को लेकर चर्चा भी हुई। किसानों ने चेतावनी दी कि मांगों का समाधान नहीं होने पर आगे भी आंदोलन जारी रहेगा।

धरना स्थल पर सारंगढ़ एसडीएम डॉ. वर्षा बंसल, तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू, वरिष्ठ कृषि अधिकारी बसंत नायक, थाना प्रभारी नंदलाल राठिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। किसानों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा। प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों

को शासन के नियमों और वर्तमान व्यवस्था की जानकारी देते हुए उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू ने बताया कि किसानों द्वारा तीन सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया था, जिसमें डीजल-पेट्रोल एवं रासायनिक खाद की पर्याप्त उपलब्धता, खाद वितरण की लिमिट बढ़ाने तथा डिब्बे में डीजल देने की मांग शामिल थी। उन्होंने कहा कि एसडीएम डॉ. वर्षा बंसल की उपस्थिति में किसानों को सभी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई है। किसानों से प्राप्त ज्ञापन को कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को भेजकर शासन स्तर पर अवगत कराया जाएगा तथा निराकरण का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार किसानों को प्रति एकड़ दो बोरी यूरिया और एक बोरी डीएपी दिए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में समितियों में सीमित स्टॉक होने के कारण एक बोरी का वितरण किया जा रहा है, जबकि अगली खेप आने पर शेष खाद किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी। डिब्बे में डीजल देने के संबंध में उन्होंने कहा कि कृषि प्रयोजन के लिए एसडीएम की अनुमति से डीजल लिया जा सकता है। साथ ही किसानों को यह आश्वासन भी दिया गया कि इस विषय पर कलेक्टर से चर्चा कर तहसीलदार स्तर पर सक्षम अधिकारी नियुक्त करने के संबंध में आवश्यक पहल की जाएगी।

प्रशासन से मिले आश्वासन और चर्चा के बाद किसानों ने अपना धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। हालांकि किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो भविष्य में फिर आंदोलन किया जाएगा।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नवीन नियमों पर जिला पंचायत में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की दी गई विस्तृत जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पंचायत बेमेतरा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नवीन नियमों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति एवं सभी जिला पंचायत सदस्यों सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े नवीन प्रावधानों, उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन तथा ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान चुनौतियों, पर्यावरणीय प्रभावों तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई 7 प्रशिक्षण सत्र के दौरान कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन, पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) तथा वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रियाओं को सरल एवं व्यवहारिक तरीके से समझाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जनप्रतिनिधियों को यह भी बताया गया कि ग्राम पंचायतें एवं स्थानीय निकाय स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए समुदाय आधारित पहल, जनजागरूकता अभियान तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन के सफल मॉडलों एवं नवाचारों की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजागरूकता बढ़ाने तथा जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, सहायक संचालक पंचायत सुश्री भूमिका देसाई सहित जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के सभी समन्वयक, जिला पंचायत के जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नवीन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन, स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यशाला को स्वच्छ एवं विकसित ग्रामों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का जांजगीर-चांपा में आत्मीय स्वागत

मो. इब्राहिम मेमन के निवास पर कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं ने किया गर्मजोशी से अभिनंदन, संगठन और राजनीति पर हुई चर्चा

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के जांजगीर-चांपा आगमन पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो. इब्राहिम मेमन के निवास में उनका आत्मीय एवं गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी उपस्थिति रही। स्वागत कार्यक्रम के दौरान टीएस सिंहदेव ने मो. इब्राहिम मेमन एवं उनके परिवारजनों से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। इस दौरान जिले की राजनीतिक स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अपने लोकप्रिय नेता के प्रति सम्मान और आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव टिंकू मेमन, पूर्व कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पैगवार तथा युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष हरीश पाण्डेय, तमीन्द्र देवांगन, ललित देवांगन, पुरुषोत्तम देवांगन, पवन साहू, दुर्गा कुर्रे, जिबू आर्या, गिरधर देवांगन, पूर्व पार्षद गुलशन सोनी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमल किशोर कका सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ, जहां संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीतियों को लेकर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। टीएस सिंहदेव के आगमन से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह और नई ऊर्जा देखने को मिली।

महंगाई भत्ता एवं 6 सूत्री मांगों को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ का ज्ञापन

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के द्वारा आज अपने 6 सूत्री मांगों को लेकर अनुभागी अधिकारी श्री डीपी अधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सोपा गया, प्रदेश के 4.5 लाख अधिकारी एवं कर्मचारी को 1 जनवरी 2026 से 2त्न महंगाई भत्ता स्वीकृत किया जाए, विधानसभा के बजट सत्र में माननीय वित्त मंत्री द्वारा कर्मचारी एवं अधिकारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा की गई थी उसे संबंध में तत्काल आदेश जारी किया जाए। केंद्रीय कर्मचारी एवं मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की भांति सेवानिवृत्ति पर 240 दिन के स्थान पर 300 दोनों का अवकाश नगदी कारण किया जाए। संविदा दैनिक अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जाए तथा मध्य प्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए शिक्षक लब संवर्ग को समस्त सेवा लाभ प्रदान किया जाए। प्रदेश में अनुपम अनुकंपा नियुक्ति की 10त्न शिवलिंग समाप्त करते हुए सभी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दिया जाए। आज पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालय विकासखंड मुख्यालय में प्रदेश के कर्मचारी एवं अधिकारियों ने अपने 6 सूत्री मांग को लेकर ज्ञापन सोपा घरघोड़ा में तहसील मुख्यालय के समक्ष बहुत संख्या में प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य एकत्र होकर ज्ञापन सोंपा।

बेमेतराः सेन समाज की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और एकजुटता पर लिए गए कई बड़े निर्णय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला बेमेतरा के ग्राम कचुआ (केवाछी राज) में आज सेन समाज की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णयकारी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में समाज के मार्गदर्शन में, कुरहा और दीवान की गरिमामयी उपस्थिति में समाज के उत्थान और एकजुटता को लेकर कई ऐतिहासिक निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।

आर्थिक सहयोग और नई व्यवस्था की शुरुआत

बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए समाज के संरक्षक नाथूराम सेन ने बताया कि सेन समाज के केवाछी राज समाज के बंधुओं के हित में एक बड़ा फैसला लिया गया है। अब से समाज के किसी भी भाई के घर में यदि दसगात्र और पगबंधी का कार्यक्रम होता है, तो समाज की ओर से ?5,000 (पाँच हजार रुपये) की आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, समाज में फिजूलखर्ची और पुरानी परंपराओं में बदलाव करते हुए यह निर्णय लिया गया कि काठी (शोक) के कार्यक्रम में जो कपड़े (कफ़न/कपड़ा) लाने की प्रथा थी, उसकी जगह अब आने वाले सभी स्वजातीय भाई कपड़े के स्थान पर ?50 या ?100 की नगद राशि भेंट करेंगे। इस पहल से पीड़ित परिवार पर आर्थिक बोझ कम होगा। संगठन की मजबूती पर मंथन बैठक के दौरान कुरहा भूखन सेन ने समाज के सामने यह महत्वपूर्ण विषय रखा कि समाज को किस तरह और अधिक मजबूत व संगठित किया जाना चाहिए। इस पर उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओं ने अपने-अपने विचार साझा किए और संगठन को धरातल पर मजबूत करने की रणनीति बनाई।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस महत्वपूर्ण बैठक को सफल बनाने और सर्वसम्मति से निर्णय लेने में समाज के प्रबुद्ध जनों और पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा, जिनमें मुख्य रूप से उपस्थित थेः दीवान खेमु सेन संरक्षकनाथूराम सेन, अंभ्भन सेन उपाध्यक्ष चित्ररेन सेन (मोहतरा) नगर अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद सेन पंचगण संतोष सेन, घासी सेन, राजकुमार सेन, बीरू सेनवरिष्ठ सदस्य संतराम सेनबैठक के अंत में समाज के सभी सदस्यों ने इन निर्णयों का स्वागत किया और समाज के विकास तथा एकता के लिए निरंतर मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

दिवंगत आरक्षक के परिवार को मिला 10 लाख रुपए का बीमा लाभ

रायगढ़/मूक पत्रिका

पुलिस कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 6वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल रायगढ़ के दिवंगत आरक्षक किशोर कुमार खलखो के परिवार को 10 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई है। यह सहायता पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा संचालित पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई। गौरतलब है कि 6वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल रायगढ़ की सी-कंपनी कैम्प सेन्ड्रा, जिला बीजापुर में पदस्थ आरक्षक क्रमांक 298 किशोर कुमार खलखो का उपचार के दौरान 23 मार्च 2026 को आकस्मिक निधन हो गया था। वे 13 सितंबर 2009 को आरक्षक (जीडी) के पद पर नियुक्त हुए थे और लंबे समय तक अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहे। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा पुलिस कर्मियों एवं उनके आश्रितों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस सैलरी पैकेज के तहत आठ विभिन्न बैंकों के साथ एमओयू किया गया है। इसी के अनुरूप श्रीमती निवेदिता पाल, रापुसे, सेनानी 6वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल रायगढ़ के मार्गदर्शन में वाहिनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैंक खातों को पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत अद्यतन कराया गया। इस पहल के तहत दिवंगत आरक्षक किशोर कुमार खलखो के आश्रित परिवार को योजना का लाभ प्राप्त हुआ।

नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को लेकर सारंगढ़ में समीक्षा बैठक आयोजित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं छात्र हित को लेकर अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बरमकेला/मूक पत्रिका

आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के सफल संचालन एवं विद्यालयों में सभी आवश्यक तैयारियों को समय रहते पूर्ण करने के उद्देश्य से विकासखंड सारंगढ़ में प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठकों तथा संकुल समन्वयकों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे.आर. डहरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सोमा सिंह ठाकुर ने की, जबकि विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) श्री सत्येंद्र बसंत की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। बैठक में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ से पूर्व विद्यालयों में की जाने वाली तैयारियों, छात्र नामांकन, शैक्षणिक गुणवत्ता, छात्र कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था तथा नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने उपस्थित प्रधान पाठकों एवं संकुल समन्वयकों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग की प्राथमिकता प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है तथा इसके लिए सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे.आर. डहरिया ने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार होते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि विद्यालय खुलने से पहले सभी शाला परिसर पूर्णतः सुरक्षित एवं स्वच्छ हों। उन्होंने विद्यालय भवनों, कक्षाओं, खेल मैदानों, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को विद्यालय में प्रवेश करते ही एक सुरक्षित, स्वच्छ और सकारात्मक वातावरण का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसरों में जलभराव, टूट-फूट, झाड़ियों एवं अन्य संभावित जोखिमों को तत्काल दूर किया जाए ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। साथ ही विद्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाकर सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सोमा सिंह ठाकुर ने बैठक में छात्र नामांकन और दर्ज संख्या वृद्धि को प्रमुख विषय बताते हुए कहा कि शिक्षा विभाग का लक्ष्य प्रत्येक पात्र बच्चे को विद्यालय से जोड़ना है। इसके लिए शिक्षकों, प्रधान पाठकों और संकुल समन्वयकों को घर-घर संपर्क अभियान चलाने, पालकों से संवाद स्थापित करने तथा विद्यालय छोड़ चुके या अनियमित बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक बच्चा विद्यालय पहुंचे और नियमित रूप से अध्ययन करे। श्रीमती ठाकुर ने शाला प्रवेश उत्सव को केवल औपचारिक कार्यक्रम न मानते हुए इसे बच्चों और पालकों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण का अवसर बताया। उन्होंने निर्देश दिए कि नवप्रवेशी बच्चों का विद्यालय में आत्मीय स्वागत किया जाए तथा उन्हें विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण सदस्य होने का अनुभव कराया जाए। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पालकों, शिक्षकों एवं समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्र हितैषी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण एवं गणवेश वितरण को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा गया कि सत्र प्रारंभ होने के साथ ही विद्यार्थियों को आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो जानी चाहिए, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। इसके लिए वितरण प्रक्रिया की नियमित निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

मध्यान्ह भोजन योजना के संबंध में अधिकारियों ने कहा कि यह योजना केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति से भी जुड़ी हुई है। इसलिए निर्धारित मीनू के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रायपुर के तिल्दा से खरीदकर पान ठेलों में चोरी-छिपे करता था बिक्री, कोतवाली पुलिस ने प्रतिबंधात्मक धाराओं में की कार्रवाई

ऑपरेशन आघात के तहत नशे के खिलाफएक और कार्रवाई, रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर 1120 नग गोगो रैपर के साथ एक व्यक्ति पकड़ाया

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन पर नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत दिनांक 09 जून 2026 की रात्रि थाना साइबर सेल एवं थाना कोतवाली की संयुक्त टीम द्वारा रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति नशे के रूप में उपयोग किए जाने वाले गोगो रैपर की बिक्री के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है।

तलाशी में 20 डिब्बों में मिला 1120 नग गोगो रैपर-संदेही सुरेन्द्र कुमार छाबड़ा (38 साल) सिंधी कॉलोनी पक्की खोली चक्रधरनगर के कब्जे से दो कार्टूनों में 20 डिब्बों में कुल 1120 नग गोगो रैपर बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उक्त गोगो रैपर के अंदर तंबाकू युक्त फ्लेवर या गांजा भरकर नशे के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

तिल्दा, रायपुर से खरीदकर पान ठेलों में करता था सप्लाई- पूछताछ के दौरान संदेही ने बताया कि वह उक्त गोगो रैपर को तिल्दा, जिला रायपुर से लगभग 14,500 रुपये में खरीदकर रायगढ़ लाया था और शहर के विभिन्न पान ठेलों में चोरी-छिपे बेचता था।

कोटपा एक्ट एवं प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई-अनावेदक सुरेन्द्र कुमार छाबड़ा के विरुद्ध थाना कोतवाली पुलिस द्वारा उसकी गतिविधियों को देखते हुए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए धारा 170/123 एवं 135(क) के तहत भी कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

नशे के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा-रायगढ़ पुलिस द्वारा ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत नशे के कारोबार, नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री तथा युवाओं को नशे की ओर धकेलने वाले तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि नशे से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराएं, ताकि ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध समय रहते कड़ी कार्रवाई की जा सके।

एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह का संदेश-नशे को बढ़ावा देने वाले हर माध्यम और उससे जुड़े कारोबारियों पर रायगढ़ पुलिस की कड़ी नजर है। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।÷

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।